दैनिक महका संसार

DAINIK MAHEKA SANSAR

बुधवार, 25 नवम्बर 2026 , जोधपुर (राज.) | वर्ष: 15 | अंक : 135 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00 रुपए

ज्यादा समर्थन वाला सदस्य जिला प्रमुख-प्रधान का दावेदार हो-गहलोत

कहा- निकाय की तरह पंचायत चुनाव में भी सरकार की चल रही गुंडागर्दी

दैनिक महका संसार

जोधपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दो दिन के दौरे पर सोमवार को जोधपुर पहुंचे। सर्किट हाउस में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा कि जिला प्रमुख और प्रधान के लिए जिसके समर्थन में ज्यादा सदस्य हों, उसे मौका देना चाहिए। गहलोत ने कहा कि कि प्रदेश कांग्रेस की ओर से इस संबंध में पूरी प्रक्रिया अपनाई जा रही है। इसके तहत सभी जगह पर्यवेक्षक भेजे गए हैं। प्रदेश कमेटी के बनाए प्रोसेस के जरिए ही उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा और किसी का हस्तक्षेप नहीं होगा। गहलोत ने भरतपुर की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि निकाय चुनाव में जो गुंडागर्दी चल रही थी, वो अभी भी चल रही है। इसको लेकर मैंने परसों ट्वीट किया था और कल साबित भी हो गया। जब भरतपुर के 18 जीते हुए जिला परिषद सदस्यों ने मीडिया के सामने कहा कि हम सब तय चुके हैं, हम कांग्रेस से साथ हैं और कांग्रेस के टिकट पर जीतकर आए हैं। उनके पीछे थाने वाले और डीएसपी पड़े हैं। इसके बावजूद भी हम निश्चित तौर पर जीतेंगे। लोगों ने मैंडेट बहुत बड़ा दिया है। अभी कोई धोखेबाजी करेगा, जनता उसको माफ नहीं करेगी। गहलोत से पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, पाली से सांसद प्रत्याशी रहीं संगीता बेनीवाल, पूर्व विधायक महेंद्र बिश्नोई , देहात जिलाध्यक्ष एवं भोपालगढ़ विधायक गीता बरवड़ सहित कई नेताओं ने मुलाकात की।

वहीं गहलोत सर्किट हाउस पहुंचे और कार्यकर्ताओं से भी मिले।

पर्यवेक्षक वन टू वन भी कर सकते हैं बात

गहलोत ने कहा कि जब चुनाव शुरू हुए थे, तब मैंने कहा था कि लोकल लेवल के लोगों को पता होता है कि ग्राउंड पर कौन मजबूत है और कौन जीत सकता है। ऊपर के लेवल से कोई सिफारिश नहीं चलेगी। मैंने कहा था कि मैं भी कह दूं तो तब टिकट नहीं मिलना चाहिए। जब तक कंफर्म नहीं हो कि ये कैंडिडेट जीत सकता है। वही बात अब लागू होती है। जिला प्रमुख, उप प्रमुख या फिर प्रधान के टिकट होंगे तो तमाम प्रोसेस वही पूरा करेंगे। अब मुझे मिलने सुबह से नेता आ रहे हैं, सबको मैं समझा रहा हूं। अब आपसे बातचीत करो, जिनके पक्ष में सदस्य हो उनको टिकट मिले। इसके साथ ही जो पर्यवेक्षक हैं, उनको भी वो कन्वेंस करें कि किसके साथ ज्यादा लोग हैं। पर्यवेक्षक चाहे तो वन टू वन बातचीत कर सकते हैं। पूरी पक्रिया पारदर्शी होगी।



धोखेबाजों को जनता बात माफ नहीं करेगी

गहलोत ने कहा कि जिन विधायक, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष और अन्य बड़े नेताओं के कहने पर टिकट दी गई थी और उनके लोग जिताकर आए हैं। अब उनको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये पार्टी उम्मीदवारों को वोट करें। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की तरफ से गुंडागर्दी की जा रही है।

कांग्रेस की विधायक और देहात अध्यक्ष पर केस दर्ज

महिला प्रत्याशी को जबरन उठाने का आरोप

दैनिक महका संसार

बीकानेर। जिला परिषद में जिला प्रमुख चुनाव से ठीक पहले नोखा विधायक सुशीला डूडी, देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग और कांग्रेस नेता भंवर कूकणा के खिलाफ जयनारायण व्यास कॉलोनी थाने में सोमवार को स्वत्रंत्र दर्ज हुई है। वार्ड-9 से कांग्रेस सदस्य मैना देवी के पति नेमाराम ने तीनों पर पत्नी को जबरन ले जाने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, 20 नवंबर को मतगणना के बाद पॉलिटेक्निक कॉलेज में सर्टिफिकेट वितरण के दौरान कांग्रेस के दो पक्ष आमने-सामने हो गए थे। इस दौरान मैना देवी के देवर के साथ धक्का-मुक्की और कपड़े फाड़ने का आरोप है। इसके बाद मैना देवी को जबरन अपने साथ ले जाने की शिकायत की गई। विधायक से जुड़ा मामला होने के कारण जांच को सौंप दी गई है। 20 नवंबर को जिला परिषद चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद जीते सदस्यों को सर्टिफिकेट दिए जा रह थे। इसी दौरान कांग्रेस के दो पक्ष आमने-सामने हो गए। मौके पर मौजूद मैना देवी के देवर ने आरोप लगाया कि उनके साथ धक्का-मुक्की की गई और कपड़े फाड़े गए। इसके बाद मैना देवी को जबरन अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया गया। जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि जिला परिषद के वार्ड-9 से कांग्रेस सदस्य मैना देवी के पति नेमाराम ने स्वत्रंत्रदर्ज कराई है। नेमाराम ने शिकायत में आरोप लगाया कि नोखा विधायक सुशीला डूडी, देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग और कांग्रेस नेता भंवर कूकणा उनकी पत्नी मैना देवी को जिला परिषद चुनाव के नतीजे आने वाले दिन पॉलिटेक्निक कॉलेज से जबरन अपने साथ ले गए। शिकायत में धक्का-मुक्की करने और मैना देवी के भाई के कपड़े तक फाड़ने का भी आरोप लगाया गया है। थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह के अनुसार, विधायक से जुड़ा मामला होने के कारण इसकी जांच को सौंप दी गई है। अब मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। बीकानेर में जिला प्रमुख पद को लेकर कांग्रेस के दो गुटों में खींचतान चल रही है। एक गुट नोखा विधायक सुशीला डूडी का है। उनकी पुत्रवधु निकिता डूडी को जिला प्रमुख पद का दावेदार माना जा रहा है। दूसरा गुट पूर्व कैबिनेट मंत्री गोविन्दराम मेघवाल का है। उन्होंने अपनी बेटी सरिता चौहान को जिला प्रमुख पद का दावेदार बनाने की घोषणा की थी। गोविन्दराम मेघवाल ने कहा था कि उनके क्षेत्र खाजूवाला, पूगल और छत्तरगढ़ में जिला परिषद के 8 सदस्य जीते हैं। ऐसे में वे सरिता चौहान की दावेदारी पेश करेंगे। हालांकि, अंतिम फैसला पार्टी को ही करना है।



बहरोड़ के पूर्व विधायक बलजीत यादव को 6-महीने की जेल

बाबा बालकनाथ पर अभद्र टिप्पणी के मामले में फैसला

दैनिक महका संसार



बहरोड़। विधासभा सीट से पूर्व विधायक बलजीत यादव को रोहतक सिविल कोर्ट ने सोमवार को 6 महीने की जेल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने बलजीत यादव पर 5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। तिजारा विधायक बाबा बालकनाथ पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में कोर्ट ने ये सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा-बलजीत यादव ने राजनीतिक लाभ हासिल करने के उद्देश्य से शिकायतकर्ता के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की थीं। शिकायतकर्ता एक सम्मानित राजनेता होने के साथ योगी, नाथ संप्रदाय के उपाध्यक्ष और बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के वीसी हैं। 7 मार्च 2021 को एक प्रेस कॉन्सफ्रेंस के दौरान बलजीत यादव ने तत्कालीन सांसद महंत बालकनाथ के बारे में कहा था कि उन्हें भोग विलास की आदत है। वह महिलाओं के बर्थडे में नजर आते हैं, लेकिन किसी गरीब और आम लोगों के बर्थडे में नहीं। यादव ने कहा था- वो दूसरे राम रहीम हैं। बालकनाथ अगर संत होते तो फाइव स्टार होटलों में नहीं ठहरते, बल्कि एक कुटिया में निवास करते। वह 12 लाख की घड़ी पहनते हैं। 2 लाख के जूते पहनते हैं। 35 हजार रुपए मीटर की धोती बांधते हैं। यही नहीं दो करोड़ की गाड़ी में चलते हैं। खुद के रहने के लिए 50 करोड़ का मठ में मकान बना रहे हैं। कभी महिलाओं को गुलदस्ते देते हैं। कभी स्वागत में गले लगते हैं। क्या ये साधु के लक्षण हैं? शिकायतकर्ता और उनके वकील ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सख्त सजा देने की मांग की और किसी भी तरह की रियायत का विरोध किया। बलजीत यादव साल 2018 से 2023 तक बहरोड़ से निर्दलीय विधायक थे। आरोप है कि उनके कार्यकाल के दौरान बहरोड़ विधानसभा क्षेत्र के 32 सरकारी स्कूलों के लिए बैडमिंटन और क्रिकेट किट खरीदे गए थे। ये खेल सामग्री ढाई-तीन गुना ज्यादा कीमत पर खरीद कर सरकार को नुकसान पहुंचाया और विधायक फंड से सामान की आपूर्ति में 3.72 करोड़ रुपए का घोटाला किया। इसके साथ ही टेंडर देने वाली फर्मों ने फेक डॉक्यूमेंट का यूज किया। इस केस में प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने बालाजी कम्प्लीट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, सूर्या एंटरप्राइजेज, राजपूत स्पोट्र्स एंटरप्राइजेज, शर्मा स्पोट्र्स एंटरप्राइजेज के संचालक और शिक्षा विभाग के कुछ कर्मचारी भी आरोपी बनाए गए थे। एसीबी ने 12 दिसंबर 2024 को बलजीत यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था। इसके बाद ईडी ने उनके खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज करके मामले की जांच शुरू की थी। 3 फरवरी 2026 को बलजीत यादव को गिरफ्तार किया था। ईडी ने रिमांड अवधि पूरी होने के बाद 7 फरवरी को पूर्व विधायक को जयपुर की विशेष अदालत में पेश किया था, जहां से उनको जेल भेज दिया गया था।

यूपी में कांग्रेस ने 125 सीटें मांगी,सपा 26 पर तैयार

इनमें 16 सीटों पर कांग्रेस की जमानत जब्त हुई थी, इमरान मसूद बोले- भीख नहीं मांग रहे

दैनिक महका संसार

नईदिल्ली। यूपी में सपा-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर पेंच फंसता नजर आ रहा है। अखिलेश यादव कांग्रेस को यूपी की 403 विधानसभा सीटों में से सिर्फ 26 सीटें देना चाहते हैं। वहीं, कांग्रेस 125 सीटों की मांग पर अड़ी है। मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर दोनों दलों के नेताओं की करीब सवा 3 घंटे बैठक हुई। बैठक से पहले सपा महासचिव रामगोपाल यादव ने कहा, मैंने कांग्रेस को 26 सीटें बता दी हैं, जहां से वह अपने उम्मीदवार उतार सकती है। सपा सांसद राजीव राय ने भी यही बात दोहराई। उन्होंने कहा, 26 सीटों पर हम चर्चा करेंगे। कांग्रेस को लिस्ट दे दी है। सपा के इस ऑफर पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, हम किसी से भीख नहीं मांग रहे हैं। यह गठबंधन के लिहाज से ठीक नहीं है। कांग्रेस आज बहुत मजबूत है। 2022 वाली कांग्रेस नहीं रह गई है। हालांकि, सपा प्रमुख अखिलेश यादव का रुख थोड़ा नरम नजर आया। लखनऊ में उन्होंने कहा, गठबंधन का मकसद चुनाव जीतना है। सपा अपने सहयोगी दलों के लिए सीटें छोड़ने और तालमेल बैठाने को तैयार है, क्योंकि यह बड़ी लड़ाई है और हमारा साझा लक्ष्य जीतना है। फिलहाल, दोनों दलों के बीच बैठक खत्म हो गई है। दोपहर 12ः15 बजे से 3ः30 बजे तक करीब 3 घंटे 15 मिनट सीट शेयरिंग पर चर्चा हुई। बैठक के बाद रामगोपाल यादव और यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि अगले दो दिनों में गठबंधन पर मुहर लग जाएगी। सीट शेयरिंग पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, मैं दो अलग-अलग बातें कहना चाहता हूं। गठबंधन चुनाव जीतने के लिए होते हैं।

26 सीटों के ऑफर में कांग्रेस का 2022 का प्रदर्शन

सपा ने कांग्रेस को जिन 26 सीटों की लिस्ट सौंपी है, उनमें से 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सिर्फ 2 सीटों पर जीत पाई थी। 4 सीटों पर पार्टी दूसरे नंबर पर रही थी, जबकि 16 सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई थी। वहीं, 2022 के चुनाव में सपा ने कुल 111 सीटों पर जीत दर्ज की थी। लखनऊ में यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि सपा-कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है। 403 सीटों में से आधे से ज्यादा पर चर्चा हो चुकी है। हर सीट पर आंकड़ों के आधार पर बात हुई है। दोनों दल सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अगले दो दौर की बैठकों में बातचीत पूरी हो जाएगी। जल्द ही गठबंधन का ऐलान किया जाएगा।



रामगोपाल बोले- अभी 2 दिन और चलेगी बैठक

सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि कांग्रेस के साथ हर सीट पर अलग-अलग चर्चा हुई है और बातचीत सकारात्मक रही। 403 सीटों की संख्या ज्यादा होने के कारण अभी चर्चा पूरी नहीं हुई है। अगले दो दौर की बैठकों में सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, 26 नवंबर को गठबंधन की घोषणा हो सकती है। 26 नवंबर को अखिलेश यादव 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर अपना घोषणा पत्र जारी करने वाले हैं। इसके लिए लखनऊ के एक बड़े होटल में बुकिंग कराई गई है। 26 नवंबर को ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे लखनऊ रैली में शामिल होने आ रहे हैं। संभावना है कि दोनों नेता साथ में गठबंधन की घोषणा कर सकते हैं।

राजीव गांधी की सुरक्षा जानबूझकर हटाई गई थी-राहुल

ताकि उनकी हत्या हो सके, इसके लिए माहौल बनाया गया

दैनिक महका संसार

नईदिल्ली। राहुल गांधी ने दावा किया है कि उनके पिता राजीव गांधी की सुरक्षा जानबूझकर हटाई गई थी। ऐसा इसलिए किया गया, ताकि उनकी हत्या हो सके। राहुल ने एक वीडियो में मां सोनिया और बहन प्रियंका के साथ यह बात कही। वीडियो में वे सोनिया की किताब पर चर्चा करते दिखे। यह किताब 16 नवंबर को दिल्ली में लॉन्च हुई थी। राहुल ने बताया कि उन्होंने अपनी मां सोनिया से कहा था कि अगर सुरक्षा बहाल नहीं की गई, तो उन्हें जल्द ही पिता के अंतिम संस्कार में लौटना पड़ सकता है। राजीव की 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में आत्मघाती हमले में हत्या कर दी गई थी। राजीव गांधी राजनीति में आने से पहले पायलट थे। वे 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद प्रधानमंत्री बने थे। कई वर्षों तक राजीव गांधी बुलेटप्रूफ जैकेट पहनते थे। उनकी कड़ी सुरक्षा रहती थी। विरोधी दल के नेता इसका मजाक भी उड़ाते थे।



सोनिया बोलीं- बिहार दौरे के बाद राहुल ने जताई थी आशंका

सोनिया ने वीडियो में बताया कि राहुल अपने पिता के साथ बिहार दौरे पर गए थे। उन्होंने इस दौरे को बहुत डरावना बताया। उस समय राजीव विपक्ष के नेता थे। वे खुले जीप में यात्रा कर रहे थे। लोगों ने उन पर पत्थर फेंके थे। सोनिया ने कहा कि अगर सुरक्षा ठीक नहीं हो और किसी राज्य में या विपक्ष की सरकार हो, तो वहां सुरक्षा पर खास ध्यान नहीं दिया जाता। इस दौरे से घर लौटकर राहुल ने मुझसे कहा, मां, अगर हमने पापा की सुरक्षा के लिए कुछ नहीं किया। तो मुझे पता है कि मैं बहुत जल्द उनके अंतिम संस्कार में शामिल होऊंगा। राहुल ने बातचीत में बिहार दौरे को आखिरी चेतावनी बताया था। उन्होंने कहा कि वह इससे पहले भी सुरक्षा को लेकर अपनी बात साफ कर चुके थे।

अलवर जिला प्रमुख का चुनाव आज,कांग्रेस में 5 प्रबल दावेदार

बीजेपी में एक ही प्रत्याशी चुनाव लड़ने योग्य

दैनिक महका संसार

अलवर। जिला प्रमुख का चुनाव कल बुधवार को होगा। मतदान दोपहर 3 से शाम 5 बजे के बीच कराया जाएगा। बीजेपी के केवल 4 पार्षद जीते हैं। जिनमें इकलौती एसटी वर्ग की महिला संतोष मीणा हैं। अलवर जिला प्रमुख का पद भी एसटी महिला आरक्षित है, इसलिए एक के अलावा बीजेपी के पास कोई दूसरा प्रत्याशी नहीं है। कांग्रेस के पास 5 प्रबल दावेदार हैं। इस कारण बीजेपी को कांग्रेस से क्रॉस वोटिंग की उम्मीद है लेकिन 5 दावेदार भी क्रॉस वोटिंग करते हैं तो बीजेपी को बहुमत मिलना मुश्किल लगता है। हालांकि बीजेपी के नेता जीत का दावा कर रहे हैं। जिसे कांग्रेस नेता सिरे से खारिज कर रहे हैं। कांग्रेस में विधानसभा का चुनाव लड़ चुके राहुल मीना की पत्नी अनीता मीना वार्ड 16 से , वार्ड 12 पूर्व उप जिला प्रमुख ललिता मीना, वार्ड 20 से पूर्व सरपंच गब्बर की पत्नी सुमन मीणा, वार्ड 13 से डॉ सोहनलाल मीना की पत्नी बिमला वर्मा और वार्ड 31 से बबीता मीना पत्नी डॉ आरपी मीना दावेदार है। ये सभी कांग्रेस की बाड़ेबंदी में हैं। कांग्रेस के नेताओं का दावा है कि उनके पास कांग्रेस के 7 पार्षद पहले से हैं। बाकी उनका जिला प्रमुख तय होने के बाद क्रॉस वोट होंगे। अब ये सब जीतने वाले पार्षद बुधवार सुबह तक अलवर के आसपास पहुंच जाएंगे। दोपहर 3 बजे सीधे जिला परिषद में वोट करने आएंगे। बीजेपी के केवल 4 पार्षद जीते हैं। जिसमें वार्ड 7 से सहदेत, वार्ड 8 से मूलचंद डीगवाल, वार्ड 10 से बाबा अनंतथना व वार्ड 21 से संतोष मीणा हैं। चुनाव में जिला परिषद के 39 सदस्य वोट डालेंगे। जिला प्रमुख बनने के लिए किसी भी उम्मीदवार को कम से कम 20 वोट हासिल करने होंगे। कांग्रेस के 33 जिला परिषद सदस्य जीतकर आए हैं। जबकि बीजेपी के केवल 4 सदस्य जीते हैं। लेकिन बीजेपी के नेता भी जीत का दावा कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस नेताओं का साफ कहना है कि बड़े अंतर से जीत दर्ज की जाएगी। कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि पूरी प्रक्रिया राजस्थान पंचायती राज अधिनियम व नियमों के तहत संपन्न कराई जाएगी। सुबह 10 बजे से जिला परिषद में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

उन्होंने जिला परिषद के सभी निर्वाचित सदस्यों को निर्धारित समय और स्थान पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। 4 सदस्य जीतने के बावजूद बीजेपी के नेता बनाराम मीणा का दावा है कि बीजेपी का जिला प्रमुख बन सकता है। उनको कांग्रेस के क्रॉस वोटिंग होने की बड़ी उम्मीद है।



दैनिक महका संसार
mahekasansar.com
विश्वास वही, पहचान नई

बुधवार, 25 नवम्बर 2026
जोधपुर (राज.)

महिलाओं में हिंसा और भय से देश को मुक्त करना होगा

लेखक. मोहम्मद आशिक

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण भी हिंसा के विरुद्ध एक प्रभावी कवच है। जो महिला शिक्षित है, आर्थिक रूप से सक्षम है, अपने अधिकारों से परिचित है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हिंसक परिस्थितियों से बाहर निकलने की संभावना अधिक होती है। इसलिए भारत में 'पहुँच से सशक्तिकरण तक विकसित भारत के लिए आजीविका और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना' जैसी सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस- 25 नवंबर 2026)

महिला हिंसा केवल किसी एक महिला के साथ हुआ अपराध नहीं है, यह पूरी मानवता की चेतना पर लगा हुआ घाव है। किसी महिला का घर में अपमानित होना, दहेज के लिए प्रताड़ित होना, कार्यस्थल पर उत्पीड़न सहना, सड़क पर असुरक्षित महसूस करना, यौन हिंसा का शिकार होना या डिजिटल माध्यमों से उसकी निजता और गरिमा को चोट पहुंचाना-इनमें से हर घटना समाज की उस मानसिकता को उजागर करती है, जिसमें स्त्री को बराबरी का मनुष्य मानने की भावना अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस इसलिए केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सामाजिक संकल्प का दिन है। 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाला 16 दिवसीय अभियान हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाप्त करना केवल कानून और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज, पुरुष, संस्थाओं, न्याय-व्यवस्था और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र की 2026 की थीम-महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिए एकजुट हों, न्याय सुनिश्चित करें, पीड़ितों की सुरक्षा करें, और दोषियों को सजा से बचने न दें-का मूल संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं से जुड़े अपराधों एवं हिंसा पर नियंत्रण हो, न्याय सुनिश्चित हो, पीड़ितों की सुरक्षा हो और अपराधियों को दंड से बचने की संस्कृति समाप्त हो। सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर ही नारी-मुक्ति का वास्तविक रास्ता है, इसी से विकसित भारत संभव है।

आज दुनिया ने महिला हिंसा के अनेक पुराने चेहरों को पहचान लिया है, लेकिन हिंसा ने भी अपना स्वरूप बदल लिया है। घरेलू हिंसा, दहेज, बाल विवाह, यौन शोषण और बलात्कार के साथ अब साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन धमकी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल निगरानी और कार्यस्थल पर मानसिक दबाव जैसी नई चुनौतियां सामने हैं। इसलिए महिला सुरक्षा की लड़ाई केवल पुलिस थाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे घर की मानसिकता, विद्यालय की शिक्षा, कार्यस्थल की संस्कृति और डिजिटल व्यवहार तक ले जाना होगा। भारत में स्थिति जटिल भी है और परिवर्तनशील भी। एक ओर महिलाएं राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, शिक्षा, सेना, खेल, उद्योग और उद्यमिता में नई ऊंचाइयां छू रही हैं, दूसरी ओर अनेक महिलाएं आज भी हिंसा, भेदभाव, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव के घेरे में हैं। कानूनों की कमी से अधिक समस्या कई बार उनके प्रभावी क्रियान्वयन, सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को ही दोषी मानने वाली मानसिकता की होती है। महिला को यह समझाना आवश्यक है कि उसके साथ हुई हिंसा उसकी गलती नहीं है। अपराधी का अपराध अपराधी का ही है, पीड़िता को अपराधबोध में जीने के लिए मजबूर करना दूसरी हिंसा है।

मीटू जैसे आंदोलनों और निर्भया कांड के बाद हुए कानूनी सुधारों ने समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव पैदा किया है। पहले जिस हिंसा को 'घर की बात', 'इज्जत का मामला' या 'समझौते से सुलझाने' की सलाह देकर दबा दिया जाता था, उसके विरुद्ध आवाज उठाने का साहस बढ़ा है। लेकिन आवाज उठाना पहला कदम है, अंतिम समाधान नहीं। शिकायत करने वाली महिला को सुरक्षा, सम्मान, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक सहयोग और त्वरित न्याय मिले, तभी कानून पर उसका विश्वास मजबूत होगा। हमें यह भी समझना होगा कि हिंसा का वास्तविक अंत अदालत के फैसले से पहले मानसिकता के परिवर्तन से शुरू होता है। जिस घर में बेटे को अधिकार और बेटी को मर्यादा का पाठ अलग-अलग पढ़ाया जाता है, वहां समानता की नींव कमजोर रहती है। बेटे को यह सिखाना होगा कि स्त्री उसकी संपत्ति नहीं, स्वतंत्र व्यक्तित्व है, उसकी सहमति सर्वोपरि है। प्रेम अधिकार नहीं, सम्मान है और पुरुषत्व का अर्थ प्रभुत्व नहीं, संवेदनशीलता है।

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण भी हिंसा के विरुद्ध एक प्रभावी कवच है। जो महिला शिक्षित है, आर्थिक रूप से सक्षम है, अपने अधिकारों से परिचित है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हिंसक परिस्थितियों से बाहर निकलने की संभावना अधिक होती है। इसलिए भारत में 'पहुँच से सशक्तिकरण तक विकसित भारत के लिए आजीविका और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना' जैसी सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है।

विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा, जब उसकी आधी आबादी भय से मुक्त होकर अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ सके। हमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए केवल कैमरे, कानून और हेल्पलाइन नहीं, बल्कि सुरक्षित संस्कारों का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों में लैंगिक सम्मान और संवेदनशीलता की शिक्षा हो, परिवारों में बेटियों को निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले, कार्यस्थलों पर शिकायत तंत्र निष्पक्ष और प्रभावी हो तथा पुलिस और न्याय-व्यवस्था पीड़िता के प्रति संवेदनशील बने। मीडिया और सोशल मीडिया को भी सनसनी के बजाय गरिमा और जिम्मेदारी का रास्ता चुनना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन पुरुष समाज में होना है। स्त्री के प्रति हिंसा की जड़ में केवल अपराधी प्रवृत्ति नहीं, बल्कि वह सोच भी है जो स्त्री को कमजोर, भोग की वस्तु या पुरुष के नियंत्रण का विषय समझती है। पुरुषत्व को प्रभुत्व से करुणा, अधिकार से उत्तरदायित्व और शक्ति से संरक्षण की ओर मोड़ना होगा। पुरुष यदि महिला की स्वतंत्रता को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, उसकी मानवीय गरिमा का अधिकार समझेगा, तभी परिवर्तन स्थायी होगा।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस हमें एक बड़ा संकल्प देता है-ऐसा समाज बनाने का, जहां महिला को अपनी सुरक्षा के लिए हर समय संघर्ष न करना पड़े, जहां बेटी को जन्म लेने से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक भय के बजाय सम्मान मिले, जहां न्याय पाने के लिए उसे अपनी पीड़ा बार-बार सिद्ध न करनी पड़े और जहां बलात्कार, दहेज-हिंसा, छेड़छाड़, उत्पीड़न और स्त्री-अस्मिता के अपमान जैसे शब्द धीरे-धीरे इतिहास के शब्दकोश का हिस्सा बन जाएं। महिला हिंसा का अंत केवल महिलाओं को सुरक्षित करने का अभियान नहीं है, यह पुरुषों को अधिक मानवीय और समाज को अधिक सभ्य बनाने का अभियान है। जिस दिन किसी महिला को अपनी गरिमा बचाने के लिए आवाज उठाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, बल्कि समाज स्वयं उसकी गरिमा का प्रहरी बन जाएगा, उस दिन इस दिवस की सार्थकता पूरी होगी। नारी को दया नहीं, न्याय चाहिए। संरक्षण मात्र नहीं, समान अवसर चाहिए। सहानुभूति नहीं, सम्मान चाहिए। क्योंकि जिस समाज में उसकी आधी आबादी भयमुक्त नहीं है, वह समाज वास्तव में विकसित नहीं हो सकता।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

जोधपुर की सड़कें बेहाल, आखिर कब सुधरेगा ट्रैफिक का जंजाल?

बढ़ती आबादी, वाहनों की बेतहाशा संख्या, अतिक्रमण और पार्किंग की अव्यवस्था ने शहर की रफ्तार पर लगाया ब्रेक, यातायात व्यवस्था सुधारने के दावे धरातल पर कब उतरेंगे? जोधपुर अपनी ऐतिहासिक पहचान, पर्यटन, संस्कृति और तेजी से बढ़ते शहरी विकास के लिए जाना जाता है, लेकिन आज इसी शहर की एक बड़ी पहचान यातायात की अव्यवस्था भी बनती जा रही है। कभी अपेक्षाकृत शांत रहने वाली सड़कों पर अब सुबह से देर शाम तक वाहनों की लंबी कतारें दिखाई देती हैं। शहर के प्रमुख बाजारों, चौराहों और व्यस्त मार्गों पर जाम की स्थिति आम होती जा रही है। सवाल यह है कि क्या जोधपुर का विकास केवल इमारतों और सड़कों के विस्तार तक सीमित रह जाएगा या नागरिकों को सुगम यातायात की सुविधा भी मिलेगी? शहर में लगातार बढ़ती आबादी और निजी वाहनों की संख्या ने यातायात पर दबाव बढ़ा दिया है। दूसरी ओर सड़कों की क्षमता और यातायात प्रबंधन में उसी अनुपात में सुधार नहीं हो पाया है। कई प्रमुख बाजारों में दुकानों के बाहर खड़े वाहन, सड़क किनारे अवैध पार्किंग और फुटपाथों पर अतिक्रमण ने आम रास्तों को संकरा कर दिया है। नतीजा यह है कि थोड़े से यातायात दबाव में ही लंबा जाम लग जाता है। सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को होती है जिन्हें रोजमर्रा के काम, नौकरी, व्यापार, स्कूल और अस्पताल पहुंचने के लिए इन मार्गों से गुजरना पड़ता है। एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाओं के वाहनों का जाम में फंसना तो और भी गंभीर चिंता का विषय है। कुछ मिनट की देरी किसी मरीज के लिए जीवन और मृत्यु का सवाल बन सकती है। ऐसे में यातायात व्यवस्था को केवल सुविधा का विषय मानना उचित नहीं होगा, यह सीधे नागरिकों की सुरक्षा और जीवन से जुड़ा मामला है। यातायात पुलिस और संबंधित विभाग समय-समय पर अभियान चलाते हैं, चालान काटे जाते हैं और व्यवस्था सुधारने के निर्देश भी दिए जाते हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान अब तक दिखाई नहीं देता। केवल चालान काटने से यातायात व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो सकती। इसके लिए सड़क प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने और यातायात नियमों के प्रभावी पालन की एक समन्वित योजना जरूरी है। शहर के व्यस्त बाजारों में व्यवस्थित पार्किंग स्थल विकसित किए जाने चाहिए। फुटपाथों को अतिक्रमण मुक्त कर पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित बनाया जाए। प्रमुख चौराहों पर यातायात संकेतक और सिग्नल व्यवस्था की नियमित समीक्षा हो। जहां आवश्यकता हो, वहां वन-वे व्यवस्था, पार्किंग प्रतिबंध और वैकल्पिक मार्गों की योजना लागू की जाए। साथ ही सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना भी जरूरी है, ताकि निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो सके। इस पूरी व्यवस्था में नगर निगम, यातायात पुलिस, जिला प्रशासन और संबंधित विकास एजेंसियों की सामूहिक जिम्मेदारी बनती है। विभागों के बीच तालमेल की कमी का खामियाजा आम नागरिकों को नहीं भुगतना चाहिए। शहर के यातायात दबाव वाले क्षेत्रों का सर्वे करवाकर दीर्घकालीन कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए और उसकी नियमित समीक्षा भी होनी चाहिए। नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। सड़क पर वाहन खड़ा करना, गलत दिशा में चलना, ट्रैफिक सिग्नल तोड़ना और नियमों की अनदेखी करना भी जाम की बड़ी वजह बनता है। जब तक आमजन यातायात अनुशासन को अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक प्रशासन के प्रयास भी पूरी तरह सफल नहीं हो पाएंगे। अब सवाल जोधपुर के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से है कि क्या शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए कोई ठोस और समयबद्ध योजना बनेगी? क्या अतिक्रमण और अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई केवल अभियान तक सीमित रहेगी या स्थायी व्यवस्था भी विकसित होगी? जोधपुर को स्मार्ट और विकसित शहर बनाने की बात तभी सार्थक होगी, जब यहां का नागरिक बिना अनावश्यक जाम में फंसे अपने गंतव्य तक पहुंच सके। विकास का अर्थ केवल चौड़ी सड़कें और ऊंची इमारतें नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था भी है जिसमें आम आदमी का समय, सुविधा और सुरक्षा सर्वोपरि हो।

मोदी के नेपाल दौरे से रिश्ते होंगे मजबूत

लेखक - राहुल शर्मा

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह का 22-23 नवंबर 2026 का भारत दौरा केवल एक प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा नहीं, बल्कि भारत-नेपाल संबंधों में एक संभावित नई शुरुआत का संकेत है। मार्च में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद किसी देश की उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भारत की है। सितंबर में वे संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए अमेरिका गए थे, लेकिन वह यात्रा द्विपक्षीय राजकीय यात्रा नहीं थी। इस दृष्टि से नई दिल्ली का उनका पहला पड़ाव विशेष महत्व रखता है। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि बालेन शाह के सत्ता में आने के बाद नेपाल की विदेश नीति में कुछ नए तेवर दिखाई दिए थे। भारत के प्रति उनके कुछ बयानों ने असहजता पैदा की, जबकि चीन के साथ नेपाल के आर्थिक और रणनीतिक संपर्क लगातार बढ़ते रहे। लेकिन विदेश नीति में स्थायी मित्रता और अस्थायी मतभेद दोनों साथ चलते हैं। 'देर आए, दुरुस्त आए'-बालेन शाह का नई दिल्ली आना इसी भाव को पुष्ट करता है।

भारत ने भी इस रिश्ते में दरवाजा कभी बंद नहीं किया। अगस्त की विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत ने नेपाल को आपात सहायता, राहत सामग्री और तकनीकी सहयोग दिया। भारत की यह भूमिका केवल मानवीय सहायता नहीं थी, बल्कि यह संदेश भी था कि मुश्किल समय में पड़ोसी ही सबसे पहले काम आता है। भारत और नेपाल का रिश्ता किसी सामान्य राजनयिक समझौते का रिश्ता नहीं है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा, धार्मिक-सांस्कृतिक निकटता, विवाह संबंध, तीर्थ परंपरा, भाषा और सामाजिक संपर्क सदियों पुराने हैं। जनकपुर और अयोध्या, पशुपतिनाथ और काशी, बुद्ध की जन्मभूमि लुंबिनी और भारत की बौद्ध परंपरा, ये केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना के पड़ाव हैं। लेकिन आज की दुनिया में केवल 'रोटी-बेटी का रिश्ता' पर्याप्त नहीं है। भावनाओं की अपनी जगह है, पर आर्थिक हित, तकनीक, ऊर्जा, सुरक्षा और कनेक्टिविटी भी रिश्तों की नई भाषा बन चुके हैं। इसलिए भारत-नेपाल संबंधों को भावनात्मक विरासत से आगे ले जाकर आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी में बदलना समय की मांग है।

नेपाल को विकास के लिए पूंजी, तकनीक, रोजगार, ऊर्जा बाजार और बेहतर संपर्क चाहिए। भारत के पास इन क्षेत्रों में क्षमता है। दूसरी ओर भारत को एक स्थिर, समृद्ध और मित्रवत नेपाल चाहिए। इसीलिए दोनों देशों के हितों में मूलभूत टकराव से अधिक पूरकता है। बालेन शाह का भारत आना अपने आप में कूटनीतिक संदेश है। उनके पूर्ववर्ती केपी शर्मा ओली ने पहली आधिकारिक विदेश यात्रा चीन की करके पुरानी अघोषित परंपरा से अलग रास्ता चुना था। बालेन का भारत से शुरुआत करना यह साबित नहीं करता कि नेपाल चीन से दूरी बना रहा है, लेकिन यह जरूर बताता है कि नई दिल्ली को काठमांडू की विदेश नीति में उसका स्वाभाविक और महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। आज नेपाल भारत और चीन के बीच संतुलन साधना चाहता है। यह उसकी भौगोलिक और आर्थिक वास्तविकता भी है। भारत इसे समझता है और उसे किसी खेमे में धकेलने के बजाय ऐसी साझेदारी विकसित कर सकता है जिसमें नेपाल को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के साथ विकास के अधिक विकल्प मिलें। यही भारत की वास्तविक कूटनीतिक परीक्षा भी है-नेपाल को यह महसूस कराया जाए कि भारत उसके विकल्प सीमित नहीं करता, बल्कि उसके विकल्प बढ़ाता है। बालेन शाह की यात्रा में नेपाल ने करीब दो अरब डॉलर की अनुदान एवं रियायती ऋण सहायता की मांग रखी है। भारत ने आर्थिक प्रस्ताव पर सकारात्मक संकेत दिए हैं, हालांकि अंतिम पैकेज और उसकी संरचना पर बातचीत जारी है। हवाई मार्ग के प्रश्न पर भी अभी पूर्ण सहमति नहीं बनी है। यहीं भारत को एक नई सोच अपनानी चाहिए।नेपाल को केवल सहायता देना पर्याप्त नहीं, नेपाल की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने वाली परियोजनाओं में भारत का भागीदार बनना अधिक उपयोगी होगा। जलविद्युत इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। नेपाल के पास विशाल जलविद्युत क्षमता है, जबकि भारत को स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती जरूरत है। दोनों देश दीर्घकालिक बिजली व्यापार, ट्रांसमिशन लाइन और नई जलविद्युत परियोजनाओं के माध्यम से ऐसा मॉडल बना सकते हैं जिसमें नेपाल बिजली पैदा करे, भारत बाजार उपलब्ध कराए और दोनों देश समृद्ध हों। भारत-नेपाल के बीच 10,000 मेगावाट तक दीर्घकालिक बिजली व्यापार का लक्ष्य इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पंचेश्वर परियोजना, लोअर अरुण, सीमा-पार बिजली संपर्क और नए ऊर्जा गलियारों को पुराने मतभेदों की फाइलों में दबाकर नहीं रखा जा सकता। 'जब जागो तभी सवेरा'-अब दोनों देशों को लंबित परियोजनाओं को परिणाम की जमीन पर उतारना होगा। भारत-नेपाल संबंधों का अगला बड़ा अध्याय कनेक्टिविटी होना चाहिए। रेल, सड़क, पाइपलाइन, डिजिटल नेटवर्क और हवाई संपर्क, ये आधुनिक युग की नई कूटनीतिक धमनियां हैं। अयोध्या-जनकपुर रेल संपर्क का आज ही शुरु होना सांस्कृतिक और पर्यटन दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। रक्सौल-काठमांडू रेल संपर्क भविष्य में व्यापार और यात्रियों की आवाजाही को नई दिशा दे सकता है। सीमा पर एकीकृत जांच चौकियां, ऊर्जा पाइपलाइन और व्यापारिक गलियारों का विस्तार दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ सकता है।

नेपाल के भैरहवा और पोखरा जैसे हवाई अड्डों के लिए अतिरिक्त भारतीय हवाई मार्ग की मांग भी महत्वपूर्ण है। इस विषय पर सुरक्षा, तकनीकी और हवाई क्षेत्र से जुड़े पहलुओं को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक समाधान खोजने की जरूरत है। कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे सीमा विवाद दोनों देशों के संबंधों की संवेदनशील वास्तविकता हैं। इसके अलावा 1950 की भारत-नेपाल संधि की समीक्षा, गोरखा सैनिकों की भर्ती, व्यापार असंतुलन और पंचेश्वर जैसे विषय भी समय-समय पर तनाव पैदा करते रहे हैं। इन विवादों को न तो नजरअंदाज किया जा सकता है और न ही उन्हें हर बैठक का केंद्र बनाना उचित होगा। रास्ता है-संवाद, तथ्य, संवेदनशीलता और राजनीतिक परिपक्वता।भारत-नेपाल संबंधों की चर्चा चीन के बिना अधूरी है। नेपाल चीन के साथ भी सड़क, ऊर्जा, संपर्क और बेल्ट एंड रोड से जुड़ी परियोजनाओं में सहयोग कर रहा है। भारत को इसे केवल भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की दृष्टि से देखने के बजाय नेपाल की विकास आकांक्षाओं को समझना चाहिए।

चिंतन मनन

बद्धजीव का कार्य क्षेत्र

अर्जुन प्रकृति, पुरुष, क्षेत्र, क्षेत्रज्ञ, ज्ञान तथा ज्ञेय के विषय में जानने का इच्छुक था। जब उसने इनके विषय में पूछा तो कृष्ण ने कहा कि यह शरीर क्षेत्र कहलाता है और इस शरीर को जानने वाला क्षेत्रज्ञ है। यह शरीर बद्धजीव के लिए कर्म-क्षेत्र है। बद्धजीव इस संसार में बंधा हुआ है और वह भौतिक प्रकृति पर अपना प्रभुत्व प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार प्रकृति पर प्रभुत्व दिखाने की क्षमता के अनुसार उसे कर्म-क्षेत्र प्राप्त होता है। यह कर्म-क्षेत्र शरीर है। और यह शरीर क्या है? शरीर इन्द्रियों से बना हुआ है। बद्धजीव इन्द्रियतृप्ति चाहता है, और इन्द्रियतृप्ति को भोगने की क्षमता के अनुसार ही उसे शरीर या कर्म-क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसीलिए बद्धजीव के लिए शरीर क्षेत्र अथवा कर्मक्षेत्र कहलाता है।

जो व्यक्ति अपने को शरीर मानता है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। क्षेत्र तथा क्षेत्रज्ञ अथवा शरीर और शरीर के ज्ञाता (देही) का अन्तर समझ पाना कठिन नहीं है। कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि बाल्यकाल से वृद्धावस्था तक उसमें अनेक परिवर्तन होते रहते हैं, फिर भी वह व्यक्ति वही रहता है। इस प्रकार कर्म-क्षेत्र के ज्ञाता तथा वास्तविक कर्म-क्षेत्र में अन्तर है। एक बद्धजीव जान सकता है कि वह अपने शरीर से भिन्न है। बताया गया है कि जीव शरीर के भीतर है और यह शरीर बालक से किशोर, किशोर से तरुण तथा तरुण से वृद्ध के रूप में बदलता जाता है और शरीरधारी जानता है कि शरीर परिवर्तित हो रहा है। स्वामी स्पष्टत: क्षेत्रज्ञ है।

कभी-कभी हम सोचते हैं। मैं सुखी हूं, मैं पुरुष हूं, मैं स्त्री हूं। यह ज्ञाता की शारीरिक उपाधियां हैं, लेकिन ज्ञाता शरीर से भिन्न होता है। भले ही हम तरह-तरह की वस्तुएं प्रयोग में लाएं- जैसे कपड़े इत्यादि, लेकिन हम जानते हैं कि हम इन वस्तुओं से भिन्न हैं। इसी प्रकार, थोड़ा विचार करने पर हम यह भी जानते हैं कि हम शरीर से भिन्न हैं। मैं, तुम या अन्य कोई जिसने शरीर धारण कर रखा है, क्षेत्रज्ञ कहलाता है- अर्थात वह कर्म-क्षेत्र का ज्ञाता है और यह शरीर क्षेत्र है- साक्षात कर्म-क्षेत्र है।

वित्तार मंथन

चिकित्सा खर्च में होने वाले कर्जे से बचाना सरकार का कर्तव्य

लेखक - मनोज गुर्जर

स्वास्थ्य सेवा का अधिकार केवल सरकारी योजनाओं और विज्ञापनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, आम आदमी को समय पर सस्ता, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलना ज्यादा जरूरी है। भारत में चिकित्सा खर्च अब केवल बीमारी से जुड़ी समस्या नहीं रह गया है। यह लाखों मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के आर्थिक अस्तित्व का सवाल बनता जा रहा है। किसी परिवार में गंभीर बीमारी दस्तक देती है, तो उसकी सबसे बड़ी चिंता मरीज का इलाज कराने के साथ-साथ घर का खर्च चलाने की हो जाती है। छोटी-मोटी मौसमी बीमारियों के उपचार में हजारों रुपए खर्च हो जाते हैं। कैंसर, हृदय रोग, किडनी और दूसरी गंभीर बीमारियों का इलाज इतना महंगा हो गया है, वर्षों की बचत कुछ महीनों में समाप्त हो जाती है। कई परिवारों को जमीन, मकान और गहने तक बेचने पड़ते हैं। इसके बाद भी इलाज पूरा हो जाए, और मरीज बच जाए, इसकी कोई गारंटी नहीं होती है।

नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़े इस संकट की गंभीरता की ओर इशारा करते हैं। चिकित्सा खर्च का बढ़ता हिस्सा परिवारों के मासिक बजट को प्रभावित कर रहा है। विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले स्वरोजगार से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक चिंताजनक है। उनके पास नियमित आय, नौकरी से मिलने वाली चिकित्सा सुविधा और पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा नहीं होता। बीमारी के कारण एक तरफ इलाज का खर्च बढ़ता है, वहीं दूसरी तरफ कमाई का जरिया भी बंद हो जाता है। इस दोहरी मार से परिवार कर्ज के जाल में फंस जाता है। यहां सबसे बड़ा सवाल सरकार की जिम्मेदारी का है। केंद्र और राज्य सरकारें स्वास्थ्य योजनाओं के माध्यम से पांच लाख और दस लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की घोषणाएं करती हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं जरूरतमंदों के लिए महत्वपूर्ण सहारा हैं, इन योजनाओं की वास्तविक सफलता इस बात से तय होनी चाहिए। मरीज को अस्पताल में बिना परेशानी इलाज मिल रहा है, या नहीं। केवल कार्ड बन जाना और योजना का प्रचार होना पर्याप्त नहीं है। जमीनी स्थिति दावे के विपरीत है। अक्सर सरकारी अस्पतालों में जरूरी दवाइयां उपलब्ध नहीं होतीं। मरीजों को जांच के लिए निजी केंद्रों में भेज दिया जाता है। कई बार अस्पतालों में बेड, विशेषज्ञ डॉक्टर और जरूरी उपकरणों की कमी बनी रहती है। ऐसे में गरीब मरीज निजी अस्पतालों का रुख करने को मजबूर होता है, जहां इलाज का खर्च उसकी क्षमता से बाहर होता है। दवाइयों की कीमत, अनावश्यक जांच, अस्पतालों के बिल और इलाज में पारदर्शिता की कमी इस समस्या को और गंभीर बना रही है।

सरकार को सबसे पहले सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। जिला अस्पतालों से लेकर मेडिकल कॉलेजों तक जरूरी दवाइयों, जांच सुविधाओं, डॉक्टरों और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। निजी अस्पतालों के इलाज और जांच शुल्क पर प्रभावी निगरानी के नियम बनाने और उनका कड़ाई से पालन हो। मरीजों से अनावश्यक जांच और अतिरिक्त शुल्क वसूलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। दवाइयों की गुणवत्ता जांचने और नकली दवाओं के कारोबार पर रोक लगाने के लिए भी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

केंद्र एवं राज्य सरकारें इस मामले में विफल साबित हो रही हैं। केंद्र सरकार ने अभी जो पोर्टल बनाया है। उसमें अभी तक मात्र 4 राज्य सरकारें जुड़ी हैं। इससे उनकी गंभीरता का पता लगता है। इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा का दायरा केवल पात्रता सूची तक सीमित नहीं रहना चाहिए। मध्यमवर्गीय परिवारों, छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी संचालकों, किसानों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को भी सस्ती और व्यावहारिक स्वास्थ्य सुरक्षा बिना किसी भेदभाव के उपलब्ध कराई जानी चाहिए। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अलग राहत कोष बनाया जा सकता है, ताकि किसी परिवार को इलाज के लिए अपनी संपत्ति बेचने या साहूकारों से कर्ज लेने की नौबत न आए। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा, स्वास्थ्य योजनाओं के नाम पर खर्च होने वाली राशि का वास्तविक लाभ मरीज तक पहुंचे। इसके लिए अस्पतालों का नियमित ऑडिट, इलाज की गुणवत्ता की निगरानी और शिकायतों के त्वरित निपटारे की व्यवस्था जरूरी है। जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

आखिरकार, स्वस्थ नागरिक ही मजबूत देश की नींव होते हैं।

यदि किसी परिवार की वर्षों की मेहनत, बीमारी के एक झटके में आर्थिक तबाही में बदल जाती है, ऐसी स्थिति में विकास के दावों पर भी सवाल उठेंगे। चिकित्सा सेवा को मुनाफे का माध्यम नहीं, बल्कि मानवीय अधिकार और सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखना होगा।

सरकार की सफलता अस्पतालों की इमारतों और योजनाओं के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए, कितने गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार बिना कर्ज लिए सम्मान के साथ अपना इलाज करा पा रहे हैं। अब समय केवल घोषणाओं का नहीं, बल्कि ठोस नीतियों, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ स्वास्थ्य व्यवस्था में बदलाव लाने की जरूरत का है। जिस तरह से बीमा कंपनियां प्रीमियम के रूप में करोड़ों-अरबो रुपए कमा रही हैं। पॉलिसी लेने वालों को पूरा इलाज का खर्च नहीं देती हैं।

दैनिक महका संसार
mahekasansar.com
विश्वास वही, पहचान नई

बुधवार, 25 नवम्बर 2026
जोधपुर (राज.)

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटोरोला एज 70 नियो

दैनिक महका संसार

जोधपुर। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में दुनिया की प्रमुख कंपनी तथा भारत के प्रमुख9 एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने आज मोटोरोला एज 70 नियो के लॉन्च की घोषणा की। एआई-पावर्ड फोटोग्राफी, आरामदायक क्राड-कर्व्ड डिजाइन, इमर्सिव डिस्प्ले, दमदार परफॉर्मेंस और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी के साथ इस स्मार्टफोन को हर बारीकी कैद करने के लिए बनाया गया है। एआई-पावर्ड 50 एमपी सोनी लीवाईटीआईए एलवाईटीआईए 710 कैमरा, 17.22 सीएम (6.8इन्च) एक्सट्रीम एमोलेड सुपर एचडी (1.5के) डिस्प्ले, स्नैपड्रैगन 7 एस जेन 3 चिपसेट और 7000 एमएएच की बड़ी बैटरी के साथ मोटोरोला एज 70 नियो अलग पहचान वाले डिजाइन, काम की तकनीक और रोजमर्रा की मजबूती का बेहतरीन संगम पेश करता है। इस लॉन्च के अवसर पर मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्ट टी.एम. नरसिम्हन ने बताया कि मोटोरोला में हमारा मानना है कि सार्थक इनोवेशन का मतलब ऐसी तकनीक बनाना है, जो लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाए, उनकी पसंद के मुताबिक ढल जाए और हर किसी की पहुंच में हो।

मोटोरोला एज 70 नियो के जरिए हम आज के ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक ही फोन में एआई-पावर्ड फोटोग्राफी, सोच- समझकर तैयार डिजाइन, इमर्सिव मनोरंजन और भरोसेमंद परफॉर्मेंस लेकर आए हैं। इसके सोनी लीवाईटीआईए 710 कैमरा और हाथ में आराम से फिट होने वाले क्राड-कर्व्ड डिजाइन से लेकर इसकी लंबे समय तक चलने वाली बैटरी और रोज के इस्तेमाल की मजबूती तक, यह फोन ग्राहकों तक काम का इनोवेशन पहुंचाने की हमारी लगातार कोशिश की झलक है। एआई- पावर्ड इमेजिंग, आरामदायक क्राड- कर्व्ड डिजाइन, सिनेमाई डिस्प्ले, दमदार परफॉर्मेंस, लंबे समय तक चलने वाली बैटरी और भरोसेमंद मजबूती के साथ मोटोरोला एज 70 नियो को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यूजर्स हर बारीकी को कैमरे में कैद कर सकें और हर पल का भरपूर आनंद उठा सकें।

जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस अब पूरे रूट पर इलेक्ट्रिक इंजन से दौड़ेगी

दैनिक महका संसार

जोधपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल से संचालित जोधपुर-भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस अब अपने पूरे मार्ग पर इलेक्ट्रिक इंजन से संचालित होगी। रेलवे ने ट्रेन संख्या 14813/14814 जोधपुर-भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस के संचालन में यह महत्वपूर्ण बदलाव करने का निर्णय लिया है। नई व्यवस्था लागू होने से ट्रेन को बीच रास्ते में इंजन बदलने की जरूरत नहीं रहेगी और संचालन अधिक सुगम होगा। जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के अनुसार ट्रेन संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस जोधपुर से 25 नवंबर 2026 तथा ट्रेन संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस सवाई माधोपुर से 26 नवंबर 2026 से इलेक्ट्रिक इंजन के साथ संचालित होगी। अब तक इस ट्रेन में जोधपुर से सवाई माधोपुर तक डीजल इंजन लगाया जाता था,जबकि सवाई माधोपुर से भोपाल तक इलेक्ट्रिक इंजन से संचालन होता था। इस कारण सवाई माधोपुर में इंजन बदलना पड़ता था।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत जोधपुर से 291 वरिष्ठ नागरिक

दैनिक महका संसार

जोधपुर। राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2026 के तहत बीकानेर से तिरुपति-पद्मावती वाया भगत की कोठी (जोधपुर)-पाली के लिए संचालित विशेष ट्रेन सोमवार को भगत की कोठी रेलवे स्टेशन पहुंची। यहां से जोधपुर संभाग के विभिन्न जिलों के कुल 291 वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा के लिए रवाना हुए। देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त, जोधपुर खण्ड के अनुसार भगत की कोठी रेलवे स्टेशन से जोधपुर जिले के 170, बाड़मेर के 38, जैसलमेर के 11, फलोदी के 24 तथा बालोतरा के 48 यात्रियों सहित कुल 291 यात्रियों ने तीर्थ यात्रा के लिए प्रस्थान किया। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत देवस्थान विभाग द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षित यात्रा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। यात्रा के दौरान यात्रियों के आवास एवं भोजन सहित आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी विभाग द्वारा वहन की जा रही है। साथ ही यात्रियों की देखरेख एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं के लिए भी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

डाक विभाग द्वारा युवा भारत पहला क्रीज-2026 का क्षेत्रीय स्तर पर आयोजन

दैनिक महका संसार

जोधपुर। भारतीय डाक विभाग, राजस्थान पश्चिमी क्षेत्र, जोधपुर द्वारा स्वतंत्रता के पश्चात जारी स्मारक डाक टिकटों पर आधारित ÷युवा भारत पहला क्रीज-2026÷ प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 23 नवंबर 2026 को ओंकारमल सोमानी कॉलेज, जोधपुर में किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में भारत के विकास, इतिहास, संस्कृति एवं गौरवशाली विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें फिलेटली (डाक टिकट संग्रह एवं अध्ययन) जैसे ज्ञानवर्धक शौक से जोड़ना है। इस प्रतियोगिता में दो-दो सदस्यों वाली कुल 37 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के प्रथम चरण में सभी टीमों के लिए प्रारंभिक लिखित परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें स्वतंत्रता के पश्चात जारी स्मारक डाक टिकटों एवं उनसे संबंधित भारत की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं विकासात्मक उपलब्धियों पर आधारित 40 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए। परीक्षा की अवधि 25 मिनट निर्धारित थी। लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर शीर्ष चार टीमों का चयन क्षेत्रीय स्तर की लाइव क्विज प्रतियोगिता के लिए किया गया। लाइव क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने ज्ञान एवं कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले के पश्चात श्री भाग्य भारद्वाज एवं श्री नकुल आचार्य की टीम को विजेता घोषित किया गया। प्रतियोगिता में चयनित शीर्ष चार टीमों के सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। विजेता टीम आगामी सर्किल स्तर की प्रतियोगिता में राजस्थान पश्चिमी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगी। इस दौरान डाक विभाग द्वारा डाक टिकट की डाक प्रदर्शनी भी लगाई गई ।

जिला परिषद जोधपुर के प्रमुख और उप प्रमुख पद का निर्वाचन 25 - 26 नवम्बर को

दैनिक महका संसार

जोधपुर। राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 तथा राजस्थान पंचयती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 59, 61 एवं 62 तथा राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान द्वारा जारी निर्देशों के अनुसरण में जिला परिषद, जोधपुर के प्रमुख के निर्वाचन के लिए संबंधित निर्वाचित सदस्यों की बैठक कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला कलक्टर व जिला मजिस्ट्रेट श्री आलोक रंजन ने बताया कि जिला परिषद जोधपुर के प्रमुख पद के निर्वाचन के लिए संबंधित निर्वाचित सदस्यों की बैठक बुधवार, 25 नवम्बर 2026 को पूर्वान्ह 10 बजे अटल सेवा केन्द्र (प्रथम तल), जिला परिषद जोधपुर में आयोजित की जाएगी। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुत करने का समय पूर्वान्ह 11 बजे तक तथा नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा पूर्वान्ह 11.30 बजे से निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन-पत्र वापस लेने का समय अपरान्ह 1बजे तक रहेगा, जिसके तुरंत पश्चात चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। आवश्यक होने पर मतदान अपरान्ह 3 बजे से 5 बजे के मध्य कराया जाएगा, जबकि मतगणना एवं परिणाम की घोषणा मतदान समाप्त होने के तुरंत पश्चात की जाएगी। रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि संपूर्ण प्रक्रिया राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994, राजस्थान पंचायती राज (निर्वाचन) नियम 1994 तथा राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान के द्वारा जारी प्रासंगिक आदेशों एवं निर्देशों के अनुरूप संपादित की जाएगी। राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 तथा राजस्थान पंचयती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 59, 61 एवं 62 तथा राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान द्वारा जारी निर्देशों के अनुसरण में जिला परिषद, जोधपुर के उप-प्रमुख के निर्वाचन के लिए संबंधित निर्वाचित सदस्यों की बैठक कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी एवं जिला कलक्टर व जिला मजिस्ट्रेट श्री आलोक रंजन ने बताया कि जिला परिषद जोधपुर के उप-प्रमुख पद के निर्वाचन के लिए संबंधित निर्वाचित सदस्यों की बैठक आगामी 26 नवंबर 2026 (गुरुवार) को पूर्वान्ह 10 बजे आयोजित की जाएगी। यह बैठक जिला परिषद जोधपुर के अटल सेवा केन्द्र (प्रथम तल) में होगी। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन-पत्र प्रस्तुत करने का समय पूर्वान्ह 11 बजे तक तथा नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा पूर्वान्ह 11.30 बजे से निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन-पत्र वापस लेने का समय अपरान्ह 1 बजे तक रहेगा, जिसके तुरंत बाद चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर चुनाव चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। आवश्यक होने पर मतदान अपरान्ह 3 बजे से शाम 5 बजे के मध्य कराया जाएगा तथा मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात मतगणना कर परिणाम की घोषणा की जाएगी। रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि संपूर्ण प्रक्रिया राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994, राजस्थान पंचायती राज (निर्वाचन) नियम 1994 तथा राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान के द्वारा जारी प्रासंगिक आदेशों एवं निर्देशों के अनुरूप संपादित की जाएगी।

शेखावत ने अधिकारियों के साथ की विकास कार्यों की समीक्षा

दैनिक महका संसार

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को जोधपुर प्रवास के दौरान स्थानीय सर्किट हाउस में प्रशासनिक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में विशेष रूप से जोधपुर के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण कार्य की प्रगति पर चर्चा हुई। इसके साथ ही पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण एवं मरम्मत, आधारभूत सुविधाओं तथा राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली गई। शेखावत ने अधिकारियों से विभिन्न विभागों की योजनाओं की वर्तमान स्थिति, उनके क्रियान्वयन और अब तक हुई प्रगति का फीडबैक प्राप्त किया। इस दौरान शहर एवं आसपास के क्षेत्रों की जनसमस्याओं, लंबित विकास कार्यों और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री ने जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों में गति लाने, लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के पश्चात शेखावत ने सर्किट हाउस में उपस्थित विभिन्न गणमान्य नागरिकों एवं लोगों से आत्मीय मुलाकात कर संवाद भी किया।

रेल सुरक्षा पर डीआरएम की सीधी नजर,रात में परखा फलोदी-जैसलमेर रेलखंड

जोधपुर और जयपुर मंडल के रेल प्रबंधकों ने जैसलमेर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का लिया जायजा

दैनिक महका संसार



जोधपुर। जैसलमेर रेलमार्ग पर सुरक्षित और सुचारू ट्रेन संचालन के साथ यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए रेलवे ने व्यवस्थाओं की पड़ताल की। इसके साथ ही उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी और जयपुर मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन ने मंगलवार सुबह जैसलमेर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, परिचालन और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।इस अवसर पर उन्होंने रेलवे स्टेशन स्थित सीसीटीवी कैमरा कंट्रोल कक्ष का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा यात्रियों को बेहतर,सुरक्षित एवं सुविधाजनक रेल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले डीआरएम ने सोमवार को फलोदी-जैसलमेर रेलखंड का रात्रिकालीन विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रैक की स्थिति,सिग्नलिंग प्रणाली,ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) सहित विभिन्न तकनीकी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने संरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करने और रेल संचालन को सुरक्षित व निर्बाध बनाए रखने पर जोर दिया। इस दौरान अनेक अधिकारी, सुपरवाइजर और निरीक्षक उपस्थित रहे। संयुक्त निरीक्षण में दोनों मंडलों के अधिकारियों के बीच परिचालन संबंधी समन्वय और तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा पर विशेष ध्यान रहा। इसका उद्देश्य रेलखंड पर संरक्षा मजबूत करने के साथ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और भरोसेमंद रेल सेवा उपलब्ध कराना है।

सकारात्मक सोचेंगे तो आपको श्रेष्ठ बनने से कोई रोक नहीं पाएगा-चंद्रप्रभ

दैनिक महका संसार

जोधपुर। चंद्रप्रभ महाराज ने सकारात्मक चिंतन का महत्व बताते हुए कहा कि मनुष्य की सोच ही उसके जीवन की दिशा और दशा निर्धारित करती है। यदि व्यक्ति सकारात्मक सोचना सीख ले, तो उसे श्रेष्ठ बनने से कोई नहीं रोक सकता। अच्छी सोच स्वर्ग है और बुरी सोच नरक है। इसलिए हमें अपने विचारों को हमेशा सकारात्मक, रचनात्मक और मंगलमय बनाए रखना चाहिए। ने कायलाना रोड स्थित साधना स्थली संबोधि धाम में आयोजित आर्ट ऑफ पावरफुल माइंड प्रोग्राम में मन के नकारात्मक विचारों से कैसे छुटकारा पाएं विषय पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नकारात्मक विचार मनुष्य की ऊर्जा, उत्साह और आत्मविश्वास को कमजोर कर देते हैं। इसके विपरीत सकारात्मक विचार जीवन में नई उमंग, नई संभावनाएं और श्रेष्ठ कार्य करने की प्रेरणा पैदा करते हैं। व्यक्ति जैसा सोचता है, धीरे-धीरे वैसा ही उसका व्यक्तित्व और व्यवहार बनने लगता है। इसलिए जीवन में सुख, शांति और सफलता प्राप्त करने के लिए सबसे पहले अपनी सोच को सुंदर बनाना जरूरी है। उन्होंने सकारात्मक जीवन के लिए महत्वपूर्ण सूत्र देते हुए कहा कि कभी किसी की निंदा, आलोचना और बुराई नहीं करनी चाहिए और न ही दूसरों की बुराई सुनने में रुचि लेनी चाहिए। इसके बजाय हमेशा दूसरों की अनुमोदना करें, उनके अच्छे गुणों को देखें और उनकी अच्छाइयों की सराहना करें। जब हम दूसरों में अच्छाई देखना शुरू करते हैं, तो हमारा अपना मन भी सुंदर और प्रसन्न रहने लगता है।

तप जप के साथ जैनों का चार माह का चातुर्मास सम्पन्न

दैनिक महका संसार

जोधपुर। श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तपागछ संघ के तत्वावधान में सिद्धाचल तीर्थ भाव यात्रा औचित्यरत्न विजय जगत पुज्य विजय आदि साधु वृंद ने क्रियाभवन में सिद्धाचल भाव यात्रा सुबह 8 बजे पश्चात चातुर्मास स्थान परिवर्तन लाभार्थी श्राविका विमला देवी- मुल चंद तरुण , काव्य बाफना परिवार के यहाँ गोलियां की पोल निवास पर गुरुभगवंतो ने विधिवत पधापर्ण किया तथा उनके यहा प्रवचन हुआ। तपागछ संघ प्रवक्ता धनराज विनायकिया ने बताया कि 4 माह चातुर्मास दौरान परमात्मा वाणी श्रवण व तप जप करा रहे नगर स्थित रत्नप्रभं धर्म क्रिया भवन में जैनाचार्य तपोरत्नसुरि के शिष्य रत्न औचित्यरत्नविजय जगतपुज्यविजय आदि साधु साध्वीवृंद व श्रावक श्राविकाओं ने कार्तिक पूर्णिमा सिद्धाचल तीर्थ भाव यात्रा पश्चात श्राविका विमला देवी- मुल चंद तरुण , काव्य बाफना परिवार के यहाँ गोलियां की पोल निवास पर गुरुभगवंतो ने चातुर्मास स्थान परिवर्तन किया। इस अवसर पर जगतपूज्यविजय ने संयम मर्यादा पर बोलते हुए कहा कि पानी तो बहता भला पड़ा गंदा होय, साधु तो चलता भला दाग पडे न कोय,,,, उन्होंने कहा कि पानी जिस तरह बहते रहता है उसी तरह साधु भी चलता भला मन के शुद्धिकरण से ही आत्मा मोक्ष की ओर अग्रसर होती है। उन्होंने द्रविड़ वारिसन व कार्तिक पूर्णिमा की महिमा पर विस्तार से प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि मन से लिया हुआ संकल्प से सिद्धि मिलती है जगतगुरु हिरसुरी के उपकारों का वर्णन किया अध्यक्ष हनुमानचंद तातेड उपाध्यक्ष भैरूमल मेहता सचिव उम्मेदराज रांका संयोजक रिकबराज बोहरा विनायकिया आदि ने ट्रस्ट मंडलकी ओर से साधु साध्वी वृंद सहित सभी से क्षमा याचना करते आभार जताया। बाफना परिवार की ओर से साधर्मिक भक्ति की गई संघ की ओर बाफना परिवार का बहुमान किया गया।

कार्तिक पूर्णिमा पर पदम सागर पर सजेगी देव दीपावली दीपों से जगमगाएगा सरोवर

दैनिक महका संसार

जोधपुर। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर पदमगढ़ जलसंरक्षण संवर्धन परिषद, ब्रह्मपुरी के तत्वावधान में पदम सागर सरोवर पर देव दीपावली, दीप दान एवं महा आरती का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर पुराने शहर के नगर कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवक बंधुओं ने कमर कस ली है। इस बार भी आयोजन को पूरी परंपरा और मर्यादा के साथ संपन्न किया जाएगा। परिषद के अनुसार यह आयोजन सिर्फ एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि जल संरक्षण का सामाजिक संदेश भी है। पदम सागर जैसे प्राचीन सरोवरों को बचाना और सामाजिक एकता को मजबूत करना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। मुख्य कार्यक्रम शाम 6.30 बजे शुरू होगा। व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को शाम 4 बजे पदम सागर सरोवर पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में महानगर के प्रचारक जी द्वारा महा आरती की जाएगी।

संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर ने जय नारायण व्यास स्मृति भवन टाउनहॉल का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का लिया जायजा

दैनिक महका संसार



जोधपुर। संभागीय आयुक्त कन्हैया लाल स्वामी एवं जिला कलक्टर आलोक रंजन ने मंगलवार को जय नारायण व्यास स्मृति भवन टाउनहॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने टाउनहॉल की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध संसाधनों एवं इससे संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ आवश्यक कार्ययोजना अनुरूप, समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग अपने-अपने दायित्वों एवं तकनीकी पहलुओं का समुचित परीक्षण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि टाउनहॉल से संबंधित सभी विषयों पर तथ्यात्मक एवं तकनीकी जानकारी का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाए। इस दौरान जोधपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त श्री राहुल जैन, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी की सचिव श्रीमती गोमती शर्मा, जोधपुर विकास प्राधिकरण एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के संबंधित अभियंतागण एवं अधिकारीगण सहित आईआईटी की तकनीकी टीम के सदस्यगण उपस्थित रहे।

प्रसिद्ध शायर शब्बीर बरकाती महफिल-ए-मिलाद में पेश करेंगे नात-ए-पाक

दैनिक महका संसार

जोधपुर। इस्लामी धार्मिक आयोजनों में उर्दू और हिंदी में धार्मिक कलाम पेश करने वाले प्रसिद्ध शायर एवं नातख्वां शब्बीर बरकाती मंगलवार को किशनगढ़ आएंगे। वे यहां हजरत गरीब शाह दातार के 23वें सालाना उर्स में शामिल होंगे। इस अवसर पर रात्रि में आयोजित महफिल-ए-मिलाद कार्यक्रम में अपनी आवाज में नात-ए-पाक और मनकबत पेश करेंगे। शब्बीर बरकाती अपनी मधुर आवाज और खास अंदाज में नात-ए-पाक एवं मनकबत प्रस्तुत करने के लिए देशभर में पहचान रखते हैं। वे विभिन्न उर्स और धार्मिक महफिलों में अपनी प्रस्तुतियों से रूहानी समां बांधते हैं। उनकी नातिया प्रस्तुतियों को श्रोताओं की ओर से काफी सराहना मिलती है।

श्री शत्रुंजय भाव यात्रा के साथ चातुर्मास परिवर्तन का प्रथम पड़ाव संपन्न

साध्वी श्री रत्नरेखा श्रीजी ने किया शत्रुंजय तीर्थ की महिमा का भावपूर्ण वर्णन

दैनिक महका संसार

जोधपुर। साध्वी श्री रत्नरेखा श्रीजी म.सा. आदि ठाणा के पावन सानिध्य में चातुर्मास परिवर्तन के प्रथम पड़ाव का कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। प्रातः साध्वीजी भगवंत ने राजेन्द्र भवन से मंगल प्रस्थान किया। मार्ग में श्री अवंति पार्श्वनाथजी मंदिर में प्रभु एवं गुरुदेव श्री के दर्शन-वंदन कर पुनः राजेन्द्र भवन पधारे। इसके पश्चात श्री शत्रुंजय भाव यात्रा का मंगलमय आयोजन हुआ, जिसमें संघ के सदस्यों ने भक्तिभावपूर्वक सहभागिता निभाई। इस अवसर पर साध्वी श्री रत्नरेखा श्रीजी ने अपने वचनामृत मे आध्यात्मिक महत्ता बताते हुए कहा कि आज ही के दिन शत्रुंजय तीर्थ पर भगवान आदिनाथ प्रभु के पौत्र द्राविण्ड वारी सहित दस करोड़ मुनि भगवंत मोक्षमार्ग पर प्रतिष्ठित हुए थे। अनंत आत्माएं इस पावन तीर्थ से सिद्ध पद को प्राप्त कर चुकी हैं। तीनों लोकों में शत्रुंजय जैसा कोई दूसरा तीर्थ नहीं है। इस तीर्थ की यात्रा करने वाला जीव नौ भव के भीतर ही मोक्ष प्राप्त कर लेता है। कार्यक्रम के अंत में प्रभु आरती का लाभ कमलेश, विपिन, मुस्कान, दक्ष एवं तनिष्का सेठ परिवार ने लिया। मंगलदीप एवं गुरुदेव की आरती का लाभ राजेन्द्र महिला मंडल ने प्राप्त किया। संघ परिवार के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से प्रभावना वितरित की गई। कार्यक्रम की पूर्णाहुति पर संघ की ओर से नवकारसी का आयोजन किया गया। साध्वी श्रीजी के पावन सानिध्य में श्री अवंति पार्श्वनाथ मंदिर में 26 को शांति स्नात्र पूजन लीला कानूनगो द्वारा 27 को अठारह अभिषेक संघ द्वारा एवं 28 नवंबर को सत्तर भेदी पूजा एवं ध्वजा कार्यक्रम रोहित मोहित मोहनोत द्वारा आयोजित होगे।



विद्यालय में स्मार्ट कक्षाओं और स्वच्छता सुविधाओं का किया विस्तार

दैनिक महका संसार

जोधपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, महामंदिर, जोधपुर में शैक्षणिक बुनियादी सुविधाओं और स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न संसाधन उपलब्ध कराए हैं। इस पहल से विद्यालय की 225 छात्राएं लाभान्वित होंगी। इसका उद्देश्य छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता और समग्र विकास को बढ़ावा देना है।

दैनिक महका संसार
mahekasansar.com
विश्वास वही, पहचान नई
बुधवार, 25 नवम्बर 2026
जोधपुर (राज.)

दिसंबर के पहले सप्ताह में बाजार में दस्तक देंगे दो आईपीओ

नई दिल्ली ।

भारतीय पूंजी बाजार में आगामी सप्ताह निवेशकों के लिए कई नए अवसर लेकर आ रहा है। दिसंबर के पहले सप्ताह में मोनोमार्क इंजीनियरिंग (इंडिया) लिमिटेड और मातंगी रबर लिमिटेड समेत चार कंपनियां अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही हैं। इन कंपनियों का मकसद कारोबार विस्तार और कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करना है। दिसंबर के पहले सप्ताह में मोनोमार्क इंजीनियरिंग (इंडिया) लिमिटेड और मातंगी रबर लिमिटेड पूंजी जुटाने के लिए अपना आईपीओ ला रही हैं। मोनोमार्क इंजीनियरिंग का आईपीओ 2 से 4 दिसंबर तक खुला रहेगा, जबकि मातंगी रबर का सार्वजनिक निर्गम 1 से 3 दिसंबर तक अभिदान के लिए उपलब्ध होगा। दोनों कंपनियां अपने आईपीओ खुलने से ठीक पहले एंकर निवेशकों के लिए बोली आयोजित करेंगी, मातंगी रबर के लिए 30 नवंबर को और मोनोमार्क इंजीनियरिंग के लिए 1 दिसंबर को। इसके अतिरिक्त नवंबर के अंतिम सप्ताह में भी दो अन्य आईपीओ बाजार में आएंगे। खाद्य सेवा क्षेत्र में कार्यरत फूडलिंक एफएंडबी होल्डिंग्स (इंडिया) लिमिटेड का आईपीओ 26 नवंबर को लॉन्च होगा। वहीं, निजी इक्विटी फर्म एवरस्टोन कैपिटल समर्थित चिकित्सा प्रौद्योगिकी मंच इंटेग्रिस मेडटेक अपना सार्वजनिक निर्गम 27 नवंबर को पेश करेगा, जिससे निवेशकों के पास विविध क्षेत्रों में निवेश के कई विकल्प उपलब्ध होंगे।

भारत-यूरोपीय संघ एफटीए से व्यापार, निवेश के नए अवसर खुलेंगे- जर्मन राज्य प्रमुख

प्रस्तावित समझौता दोनों पक्षों के लिए रोजगार, निवेश और व्यापार के नए द्वार खोलेगा

नई दिल्ली ।

जर्मनी के लोअर सैक्सोनी राज्य के प्रमुख ओलाफ लीस ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों पक्षों के बीच निवेश, व्यापार और रोजगार के नए अवसर खोलेगा। इस समझौते पर दिसंबर तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जबकि इसकी बातचीत जनवरी में पूरी हो चुकी है। भारत की अपनी आधिकारिक यात्रा पर आए लीस ने नई दिल्ली स्थित जर्मनी दूतावास में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि एफटीए हमारे देशों के बीच अधिक निवेश, अधिक व्यापार और अधिक कारोबार के लिए एक बड़ा अवसर है। उन्होंने भरोसा जताया कि इस साल के अंत तक एफटीए को लेकर कोई समाधान निकल आएगा। करीब 60 राजनीतिक और व्यावसायिक प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे लीस ने बताया कि यह समझौता भारत में निवेश करने की इच्छुक उनकी राज्य की कंपनियों के साथ ही जर्मनी में अवसर तलाश रहे भारतीय व्यवसायों को भी लाभ पहुंचाएगा। लीस अपनी यात्रा के दौरान दिल्ली, पुणे और मुंबई में बैठकें करेंगे। लोअर सैक्सोनी जर्मनी के प्रमुख राज्यों में से एक है।

बाजार की चाल से न बिगड़े निवेश का संतुलन, रीबैलेंसिंग से रखें जोखिम काबू में

एसेट एलोकेशन ड्रिफ्ट से बचें, जानें कब और कैसे करें निवेश पोर्टफोलियो को रीबैलेंस

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में लगातार तेजी निवेशकों के लिए खुशी लाती है, लेकिन इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण चुनौती भी पैदा होती है। यह तेजी आपके इक्विटी निवेश की वैल्यू को इतना बढ़ा सकती है कि आपके पूरे पोर्टफोलियो का जोखिम स्तर अनजाने में ही बढ़ जाए। इस स्थिति से बचने और अपने निवेश को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप रखने के लिए पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग एक बेहद जरूरी प्रक्रिया है। निवेशक आमतौर पर अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम क्षमता के आधार पर इक्विटी और डेट जैसे एसेट क्लास में एक निश्चित अनुपात तय करते हैं। हालांकि, बाजार में तेजी आने पर इक्विटी की वैल्यू तेजी से बढ़ती है, जिससे यह अनुपात बिगड़ जाता है। मान लीजिए, 60 फीसदी वाला पोर्टफोलियो बढ़कर 68 फीसदी इक्विटी का हो जाए, तो इसे एसेट एलोकेशन ड्रिफ्ट कहते हैं। यह ड्रिफ्ट आपके पोर्टफोलियो का जोखिम बढ़ा देता है, भले ही आपने कोई नया निवेश न किया हो। इस ड्रिफ्ट को ठीक करने और मूल एसेट एलोकेशन पर लौटने की प्रक्रिया को पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग कहते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य निवेश के जोखिम को आपकी क्षमता के अनुसार नियंत्रित रखना और यह सुनिश्चित करना है कि आप अपने वित्तीय लक्ष्यों की दिशा में सही ट्रैक पर रहें। यह प्रक्रिया रोज या हर महीने करने की बजाय, साल में एक बार किसी तय तारीख पर करनी चाहिए। इससे बाजार की दैनिक हलचल से प्रभावित होकर जल्दबाजी में फैसले लेने से बचा जा सकता है। रीबैलेंसिंग से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य और उसे पूरा करने में बचे समय के आधार पर इक्विटी और डेट का आदर्श अनुपात तय करना महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, लंबी अवधि (जैसे 20 साल बाद रिटायरमेंट) के लक्ष्य के लिए आप अधिक जोखिम लेकर 75 फीसदी इक्विटी और 25 फीसदी डेट में निवेश कर सकते हैं। वहीं, यदि आपको पांच साल बाद बच्चे की पढ़ाई के लिए पैसे की जरूरत है, तो निवेश में जोखिम कम रखना ज्यादा जरूरी होगा; ऐसे में 30 फीसदी इक्विटी और 70 फीसदी डेट का अनुपात अधिक सुरक्षित विकल्प होगा। इसे एक उदाहरण से समझें- आपने 10 लाख रुपये में 6 लाख इक्विटी और 4 लाख डेट में लगाए (60:40)। बाजार की तेजी से इक्विटी निवेश बढ़कर 9 लाख और डेट निवेश 4.20 लाख हो गया। अब कुल 13.20 लाख रुपये में इक्विटी की हिस्सेदारी लगभग 68 फीसदी हो गई है। बिना नया निवेश किए भी आपका पोर्टफोलियो अधिक जोखिम भरा हो गया। रीबैलेंसिंग करके आप इस अनुपात को वापस 60:40 पर लाकर अनावश्यक जोखिम से बच सकते हैं और अपने वित्तीय लक्ष्यों को सुरक्षित रख सकते हैं।

सोने और चांदी की कीमतों में फिर से उछाल

सोना 1,26,021 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 1,54,205 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में फिर से उछाल देखने को मिला है। गुरु नानक जयंती के अवसर पर शेयर बाजार पूरे दिन बंद हैं, हालांकि वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शाम के सत्र में कारोबार जारी रहेगा।

ऐसे में पिछले कारोबारी दिन के बंद भाव और सुबह के सांकेतिक खुदरा दरों के आधार पर मंगलवार को सोने और चांदी दोनों में तेजी दर्ज की गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 24 कैरेट सोना 4,243 रुपये की तेजी के साथ 1,26,021 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है।

पिछले कारोबारी दिन यह 1,21,778 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बुलियंस डॉट को डॉट इन के अनुसार, 24 कैरेट सोने का दाम 1,27,000 रुपये प्रति 10 ग्राम है। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के मुताबिक, 24 कैरेट का सोना 1,24,945 रुपये प्रति 10 ग्राम है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,14,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चांदी के दामों में भी बड़ा उछाल आया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी का भाव 6,392 रुपये की तेजी के साथ 1,54,205 रुपये प्रति किलो हो गया है। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 1,47,813 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

निजी निवेश में ज़बरदस्त उछाल- सीआईआई रिपोर्ट

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में परियोजना घोषणाएं 26.6 लाख करोड़ पहुंचीं

नई दिल्ली ।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में निजी क्षेत्र के निवेश में उल्लेखनीय तेजी आई है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में निजी क्षेत्र की नई परियोजना घोषणाएं सालाना आधार पर 58.5 प्रतिशत बढ़कर 26.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गईं। यह वृद्धि सरकारी नीतिगत सुधारों, बुनियादी ढांचे के विकास और बढ़ते निवेशक भरोसे का प्रमाण है। सीआईआई के निजी निवेश सूचक के दूसरे संस्करण में बताया गया कि इस अवधि में कुल परियोजना घोषणाओं में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 86.2 प्रतिशत रही, जो पिछले साल 74.2 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा पिछले दशक की समान अवधियों के औसत का 4.4 गुना है। सीआईआई के एक अधिकारी ने इस सफलता का श्रेय सरकार के सतत नीतिगत सुधारों और नियामकीय ढांचे में सुधार को दिया, जिससे निजी निवेश के लिए एक मजबूत अनुकूल माहौल बना है। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग इन अवसरों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहा है। रिपोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि यह सुधार केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक पूंजी निर्माण में भी परिलक्षित हो रहा है। लगभग 1,800 सूचीबद्ध निजी कंपनियों का सकल पूंजी निर्माण वित्त वर्ष 2025-26 में 12.4 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सकल घरेलू उत्पाद का 3.6 प्रतिशत है।

टाटा स्टील-एपीएल अपोलो मेगा डील-शेयर लुढ़के,कर्ज बढ़ा,भविष्य की संभावनाएं

28,000 करोड़ के सौदे में टाटा स्टील चुकाएगी ऊंची कीमत

नई दिल्ली ।

देश के स्टील सेक्टर में एक बड़ी हलचल के तहत टाटा स्टील और एपीएल अपोलो ट्यूब्स के बीच लगभग 28,000 करोड़ रुपये की एक मेगा डील चर्चा में है। इस सौदे के तहत टाटा स्टील, एपीएल अपोलो में 52.6 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रही है, साथ ही अपना ट्यूब और कलर कोटेड कारोबार एपीएल अपोलो को बेचेगी। इस खबर से निवेशकों में चिंता बढ़ गई, जिसके चलते 23 नवंबर, को टाटा स्टील के शेयर 8 फीसदी और एपीएल अपोलो के शेयर 21 फीसदी से अधिक गिर गए। यह मेगा डील दोनों कंपनियों के कारोबार में बड़ा बदलाव लाने वाली है। टाटा स्टील एपीएल अपोलो में 52.6 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए अधिकतम 32,266 करोड़ रुपये खर्च कर सकती है। इसके समानांतर, वह अपना ट्यूब कारोबार और टाटा स्टील कलर्स का पूरा कारोबार 28,000 करोड़ रुपये में एपीएल अपोलो को बेचेगी। हालांकि, इस सौदे की खबर के साथ ही शुरुआती खर्च, बढ़ते कर्ज और कमाई पर दबाव की आशंका ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी।

जानकारों का मानना है कि टाटा स्टील एपीएल अपोलो की हिस्सेदारी के लिए काफी ऊंची कीमत चुका रही है, जिसकी एंटरप्राइज वैल्यू करीब 60,000 करोड़ रुपये आंकी गई है। डील के बाद टाटा स्टील के कर्ज का बोझ बढ़ने का अनुमान है। सितंबर 2026 में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट डेट 91,400 करोड़ रुपये था, जो सौदा पूरा होने के बाद लगभग 1.20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

यानी, कंपनी पर करीब 28,600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर्ज चढ़ेगा, जिससे कर्ज घटाने की रफ्तार धीमी हो सकती है। शुरुआती दो-तीन साल तक इस डील का टाटा स्टील की प्रति शेयर कमाई पर नकारात्मक असर दिखेगा।

विशेषज्ञों ने टाटा स्टील के शेयर पर खरीदारी की रेटिंग बरकरार रखते हुए 219 रुपये का अपसाइड टारगेट दिया है, यह मानते हुए कि डील महंगी जरूर है, पर जुड़े जोखिमों का काफी असर शेयर के भाव में पहले ही दिख चुका है।

आरबीआई बैठक से पहले कंपनियों की फंड रेसिंग, 25,000 करोड़ जुटाने की तैयारी

0.25 फीसदी से 0.50 फीसदी तक रेपो रेट में बढ़ोतरी का अनुमान

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अगली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक से पहले देश की कंपनियां सक्रिय हो गई हैं। करीब 25,000 करोड़ रुपए बॉन्ड जारी कर जुटाने की तैयारी की जा रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य ब्याज दरों में संभावित बढ़ोतरी से पहले मौजूदा कम लागत पर लंबी अवधि का कर्ज सुरक्षित करना है। एमपीसी की बैठक 2 से 4 दिसंबर तक होनी है। रॉयटर्स के सर्वे और बाजार विश्लेषकों के अनुसार आरबीआई रेपो रेट में 0.25 फीसदी से 0.50 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकता है। इससे पहले आरबीआई ने 7 अक्टूबर को रेपो रेट को 0.25 फीसदी बढ़ाकर 5.50 फीसदी कर दिया था और अपनी नीति का रुख कैलिब्रेटेड टाइटनिंग कर दिया था, जिसका अर्थ है महंगाई और आर्थिक परिस्थितियों के आधार पर आगे भी दरें बढ़ाने की संभावना। इस संभावित बढ़ोतरी से बचने के लिए पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी), स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (एसआईडीबीआई), जियो क्रेडिट, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस और टोरेंट पावर जैसी सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियां बॉन्ड के जरिए पैसा जुटाने में लगी हैं। नवंबर में-एएए रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड की यील्ड में 0.20 फीसदी से 0.30 फीसदी तक की गिरावट आई है, जिसे कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, विदेशी निवेशकों की वापसी और रुपए की स्थिरता जैसे कारकों का समर्थन मिला है। इसी मौके का लाभ उठाकर कंपनियां अपनी उधारी लागत को नियंत्रित रखना चाहती हैं। नवंबर में अब तक 90,000 करोड़ रुपए निजी बॉन्ड प्लेसमेंट के जरिए जुटाए जा चुके हैं, और इस साल कुल फंड जुटाने का आंकड़ा लगातार दूसरे साल 10 लाख करोड़ रुपए पार कर सकता है। रेपो रेट में वृद्धि से बैंकों के लिए कर्ज महंगा हो जाता है, जिसका सीधा असर होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई पर पड़ सकता है।

ट्रंप के दबाव में एनवीडिया ने जेनसेन हुआंग को सीईओ पद पर किया बहाल

अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्तक्षेप से हुई कृत्रिम मेधा कंपनी के शीर्ष पद पर बहाली

न्यूयॉर्क ।

कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एनवीडिया ने अपने सह-संस्थापक जेनसेन हुआंग को सीईओ के पद पर बहाल कर दिया है। विवाहेतर संबंधों के आरोपों के चलते हुए उनके इस्तीफे के बाद यह एक चौंकाने वाला घटनाक्रम है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सक्रिय हस्तक्षेप ने उनकी पद पर वापसी का मार्ग प्रशस्त किया, जबकि पहले निदेशक मंडल ने उनकी पेशकश को ठुकरा दिया था। हुआंग ने 12 नवंबर को इस्तीफा दिया था, जिसके बाद कोलेट क्रेस अंतरिम सीईओ बनीं। उनके इस्तीफे की वजह एक चीनी कारोबारी महिला और कंपनी की ही कर्मचारी से कथित संबंध थे। निदेशक मंडल ने वापसी की उनकी पेशकश को पहले ठुकरा दिया था, भले ही राष्ट्रपति ट्रंप ने एफबीआई जांच की बात करते हुए भी उनकी प्रशंसा की थी। उनके समर्थन में स्टैंड विद जेनसेन अभियान चला, जिसे एलन मस्क सहित कई हस्तियों का साथ मिला। राष्ट्रपति ट्रंप ने 16 नवंबर को सार्वजनिक रूप से कहा कि उन्हें हुआंग की वापसी पर कोई आपत्ति नहीं होगी।

सेबी ने आईपीओ ग्रे मार्केट प्रीमियम पर लगाई रोक,निवेशकों को आगाह किया

बाजार मध्यस्थों को प्रचार-प्रसार से रोका, निवेशकों को अनौपचारिक सौदों से बचने की सलाह

नई दिल्ली । बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आगामी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) के आंकड़ों के प्रकाशन और प्रचार-प्रसार पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। नियामक ने बाजार मध्यस्थों और अन्य प्रतिभागियों को इस तरह की गतिविधियों को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही सेबी ने निवेशकों को जीएमपी को संभावित लिस्टिंग मूल्य या अपेक्षित रिटर्न का संकेत न मानने की सख्त चेतावनी दी है। सेबी ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि जीएमपी उन अनौपचारिक और अपुष्ट कीमतों को दर्शाता है जिन पर किसी कंपनी के शेयर शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले कारोबार किए जाने का दावा किया जाता है। ये सौदे मान्यता-प्राप्त शेयर बाजारों के दायरे से बाहर होते हैं, जिस पर कोई नियामकीय निगरानी नहीं होती और न ही इनमें निवेशकों को कोई सुरक्षा या सौदे के निपटान की गारंटी मिलती है। नियामक ने पाया कि जीएमपी के आंकड़े वेबसाइटों, डिजिटल मंचों, समाचार पत्रों और यहां तक कि सेबी में पंजीकृत कुछ मध्यस्थों द्वारा भी व्यापक रूप से प्रकाशित किए जा रहे थे। नियामक ने स्पष्ट किया कि ऐसे प्रीमियम के आंकड़ों का प्रकाशन निवेशकों के हितों के लिए नुकसानदेह है और प्रतिभूति बाजार में पारदर्शिता व जवाबदेही के सिद्धांतों के विपरीत है। सेबी ने अपने सभी पंजीकृत मध्यस्थों और बाजार प्रतिभागियों को अपनी वेबसाइट, डिजिटल मंचों, ईमेल, एसएमएस और सोशल मीडिया सहित किसी भी संचार माध्यम पर आईपीओ के जीएमपी के आंकड़े प्रकाशित, प्रदर्शित या प्रसारित नहीं करने का निर्देश दिया है।

धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज

जबलपुर ।

लार्डगंज और गोरखपुर थाना क्षेत्र में तीन सायबर ठगी के मामले सामने आए हैं7 लार्डगंज थाना क्षेत्र में ट्योरिन सोलर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के 3 कर्मचारियों पर धोखाधड़ी कर दूसरी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगा है। वहीं लार्डगंज में आईफोन दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 62 हजार 940 रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इसी प्रकार गोरखपुर थाना क्षेत्र में झाड़-फूंक के जरिए बीमारी और घरेलू परेशानियां दूर करने तथा धन दोगुना करने का झांसा देकर एक महिला से करीब 5 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है।

लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार राइट टाउन निवासी 36 वर्षीय कंपनी संचालक अभिषेक बाधवा कंपनी के कर्मचारी सुमित सेन, सुभाष विश्वकर्मा और मोहम्मद फजल तबिश दूसरी कंपनियों के लिए भी काम कर रहे थे। कर्मचारियों ने कंपनी के नाम से फर्जी एनओसी तैयार कर दूसरी कंपनियों को सोलर प्लांट लगवाने का काम दिलाया। कंपनी के कंप्यूटर की जांच में 14-15 अन्य कंपनियों का डेटा और करीब 70-75 ऑर्डर से जुड़े काम के प्रमाण मिले। साथ ही कंपनी के डायरेक्टर के फोटो, फोटोशॉप से तैयार हस्ताक्षर, कंपनी की सील, ऑडिट रिपोर्ट और व्हाट्सएप चैट में पैसों के लेन-देन से जुड़े साक्ष्य मिलने की बात सामने आई।

इसी प्रकार राइट टाउन स्थित अतुल बिहार अपार्टमेंट निवासी 51 वर्षीय अरुण अग्रवाल गत 27 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब 2 बजे एक मोबाइल नंबर से उन्हें आईफोन दिलाने का ऑफर दिया गया था। इसके झांसे में आकर उन्होंने यूपीआई के माध्यम से 499 रुपए से शुरुआत करते हुए कुल 62 हजार 940 रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए। रकम जमा कराने के बाद भी उन्हें आईफोन नहीं दिया गया। पीड़ित ने कई बार संबंधित व्यक्ति से अपने रुपए वापस मांगे, लेकिन वह गाली-गलौज करने लगा और जान से मारने की धमकी देने लगा। आरोपी ने अपना नाम मनीष जैन बताया था। शिकायत के मुताबिक, रकम बाके बिहारी सर्विस सेंटर, राहुल खान, यकीन खान और वारिस हरसोनिया के खातों में जमा कराई गई थी।

इसी तरह गोरखपुर में ककरैया तलैया गोरखपुर निवासी 48 वर्षीय आरती मेहरा कुछ समय से बीमार थी और घर में भी कई तरह की परेशानियां चल रही थीं।

दस्तावेज गुम करने पर एसबीआई को 60 लाख का चूना, बुजुर्ग की जीत

2019 में चुकाया था होम लोन, बैंक ने नहीं लौटाए थे संपत्ति के असली कागजात

नई दिल्ली ।

उपभोक्ता अदालत ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को एक 70 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति को लगभग 60 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह फैसला बैंक द्वारा होम लोन का पूरा भुगतान करने के बावजूद संपत्ति के असली कागजात न लौटाने के एक लंबे समय से चले आ रहे मामले में आया है। कोर्ट ने बैंक को न सिर्फ मुआवजा देने, बल्कि जल्द से जल्द संपत्ति के पूरे दस्तावेज वापस करने का भी निर्देश दिया है। यह मामला अलीगढ़ के गुलवीर सिंह चौहान से जुड़ा है, जिन्होंने 1997 में एसबीआई की सिटी ब्रांच से होम लोन लिया था और अपनी संपत्ति का असली सेल डीड बैंक के पास गिरवी रखा था। चौहान ने 13 मई 2019 को अपना पूरा बकाया लोन चुका दिया और बैंक से नो-ड्यूज सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर लिया। हालांकि, इसके बावजूद बैंक बार-बार अनुरोध करने पर भी उनके असली दस्तावेज वापस नहीं कर पाया और अंततः स्वीकार किया कि दस्तावेज गुम हो गए हैं। दस्तावेजों के अभाव में चौहान को मालिकाना हक की पुष्टि करने, नया लोन लेने या संपत्ति हस्तांतरित करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। आखिरकार, 13 जून 2023 को गुलवीर सिंह चौहान ने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। कार्यवाही के दौरान एसबीआई ने दस्तावेज मिलने की बात तो स्वीकार की, लेकिन चौहान के आरोपों का खंडन किया। आयोग के अध्यक्ष हसनैन कुरैशी और सदस्य पूर्णिमा सिंह राजपूत ने बैंक के 13 फरवरी 2020 के पत्र की जांच की, जिससे पुष्टि हुई कि चौहान ने मई 2019 में ही सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया था। आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि ऋण चुकाने के बाद भी दस्तावेज न लौटाना सेवा में कमी है।

जेएसडब्ल्यू मोटर्स और एआरएआई में नए ऊर्जा वाहन विकास हेतु समझौता

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू समूह की यात्री वाहन इकाई, जेएसडब्ल्यू मोटर्स ने नए ऊर्जा वाहनों (एनईवी) के संयुक्त विकास, परीक्षण और स्थानीयकरण के लिए ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस रणनीतिक सहयोग का उद्देश्य वाहनों और उनकी प्रणालियों के विकास के लिए मजबूत तकनीकी आधार तैयार करना, परीक्षण एवं नियामकीय तैयारियों को बेहतर बनाना है। कंपनी विशेष रूप से भारतीय परिचालन स्थितियों के अनुकूल प्रौद्योगिकियों और क्षमताओं का विकास करना चाहती है। जेएसडब्ल्यू मोटर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल वाहन बनाना नहीं, बल्कि मजबूत स्वदेशी इंजीनियरिंग क्षमताओं वाली विश्वस्तरीय भारतीय वाहन कंपनी बनाना है।

उन्होंने जोर दिया कि यह साझेदारी भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप अगली पीढ़ी के परिवहन समाधान विकसित करने में तेजी लाएगी।

दैनिक महका संसार
mahekasansar.com
विश्वास वही, पहचान नई

बुधवार, 25 नवम्बर 2026
जोधपुर (राज.)

झूलन गोस्वामी बर्थडेः मां को पसंद नहीं था क्रिकेट

बेटी बन गई वनडे की सबसे सफल गेंदबाज



नई दिल्ली । झूलन गोस्वामी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे प्रभावशाली और लोकप्रिय तेज गेंदबाज रही हैं। भारतीय टीम के एक सामान्य टीम से मजबूत टीम बनने के सफर में झूलन का योगदान असाधारण रहा है। उनका नाम विश्व की श्रेष्ठ महिला तेज गेंदबाजों में शुमार किया जाता है। झूलन गोस्वामी का जन्म 25 नवंबर 1982 को पश्चिम बंगाल के चकदाह में हुआ था। उन्हें बचपन से ही क्रिकेट में रुचि थी। हालांकि, उस दौर में महिलाओं के लिए क्रिकेट खेलना असामान्य था। झूलन की मां को भी उनका लड़कों के साथ क्रिकेट खेलना पसंद नहीं था, लेकिन बेटी ने इसी खेल में देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देख लिया था। गोस्वामी ने एमआरएफ एकेडमी से ट्रेनिंग ली। दाएं हाथ की इस तेज गेंदबाज ने 15 साल की उम्र में चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्हें 2002 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिला। इंग्लैंड के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में ही झूलन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 7 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट लिए और भारत को 8

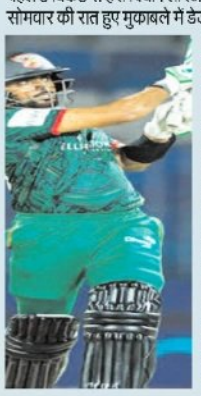


रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।
शानदार डेब्यू के बाद झूलन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और 20 साल के अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। झूलन गोस्वामी महिला वनडे में विश्व में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 204 वनडे में 255 विकेट हासिल किए थे। वह वनडे क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाली एकमात्र महिला क्रिकेटर हैं। 2008 से 2011 तक भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान रही झूलन ने भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेले हैं।
उनके नाम 12 टेस्ट में 44, 204 वनडे में 255 और 68 टी20 में 56 विकेट हैं। झूलन निचले क्रम की उपयोगी बल्लेबाज भी रही हैं। 12 टेस्ट में 2 अर्धशतक लगाते हुए 291 रन और वनडे में 1 अर्धशतक लगाते हुए 121 पारियों में 1,228 रन उनके नाम हैं। टी20 में भी उनके नाम 405 रन हैं।
झूलन गोस्वामी को 2010 में 'अर्जुन पुरस्कार' और 2012 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली झूलन कोचिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वह विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस (एमआई) की गेंदबाजी कोच और मेंटर हैं। उनकी कोचिंग में मुंबई इंडियंस दो बार (2023 और 2025) चैंपियन रही है।

आईएलटी20

बाबर आजम की तूफानी पारी, डेजर्ट वाइपर्स को 6 विकेट से दिलाई जीत

शारजाह । इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे मैच में बाबर आजम की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर उनकी टीम डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स को 15 गेंद पहले 6 विकेट से हरा दिया। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार की रात हुए मुकाबले में डेजर्ट वाइपर्स के कप्तान



शादाब खान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी शारजाह वॉरियर्स ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 166 रन बनाए।
शारजाह वॉरियर्स की तरफ से पॉल वॉल्टर ने 43 गेंदों पर 11 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 75 रन की पारी खेली। इसके अलावा, जेम्स विंस ने 23, टिम सिफर्ट ने 17, जॉर्ज लिंडे ने 14 और क्रेग ओवरटन ने 12 रन बनाए। डेजर्ट वाइपर्स की तरफ से कप्तान शादाब खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। के. तनवीर ने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए। टॉम कूर्रन ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। नसीम शाह को 1 विकेट मिला। 167 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स के लिए फखर जमान और बाबर आजम पारी की शुरुआत करने उतरे। फखर 10 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन बाबर आजम पूरे रंग में दिखे। बाबर ने 51 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 86 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत डेजर्ट ने 17.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। बाबर के अलावा जोए क्लार्क ने 27 गेंदों पर 35 रन बनाए।

प्रियांश आर्य ने रचा इतिहास

181 रन
67 गेंदों पर

भारत की तरफ से टी20 में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने



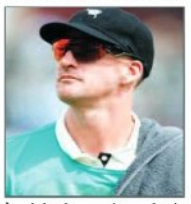


इंदौर । दिल्ली के स्टार बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने इतिहास रच दिया है। आर्य ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) में मंगलवार को डेली कॉलेज ग्राउंड में तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली के ग्रुप-बी के छठे मैच में 68 गेंदों में 181 रन की पारी खेली। टी20 फॉर्मेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की यह सबसे बड़ी पारी है। प्रियांश आर्य ने अपना शतक मात्र 36 गेंदों पर पूरा किया। बाएं हाथ के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने अपनी पारी में 7 चौके और 19 छक्के लगाए। दिल्ली की कप्तानी कर रहे प्रियांश ने अपनी विस्फोटक पारी से केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब तक राहुल के नाम किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी टी20 पारी का रिकॉर्ड था। राहुल ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए 67 गेंदों पर 152 रन की पारी खेली थी। राहुल की पारी में 16 चौके और 9 छक्के शामिल थे।
प्रियांश आर्य ने 19 छक्कों के साथ किसी एक टी20 मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में फिन एलन की बराबरी कर ली है। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के इस विस्फोटक ओपनर ने 2025 में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से खेलते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों पर 151 रन की पारी खेली थी। इस पारी में एलन ने 19 छक्के लगाए थे। अब एक टी20 में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से एलन के साथ प्रियांश के नाम भी दर्ज हो गया है। आर्य का 181 रन दुनिया के किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी है। यह अब तक के सबसे बड़े स्कोर 188* से सिर्फ सात रन कम है। दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने पिछले महीने सीएसए प्रो20 कप में टाइटन्स के लिए नाइट्स के खिलाफ नाबाद 188 रन की पारी खेली थी।
प्रियांश की पारी की बदौलत दिल्ली ने तमिलनाडु के खिलाफ 5 विकेट पर 275 रन बनाए।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से ब्लेयर टिकनर बाहर

न्यूजीलैंड टीम में मैट फिशर को मिली जगह

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण शुक्रवार से भारत के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में मैट फिशर को शामिल किया गया है। ब्लेयर टिकनर भारत के खिलाफ ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे, लेकिन प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना सके थे। वेलिंगटन में ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि टिकनर के और परीक्षण होने वाले हैं, ताकि यह पता चल सके कि वह कितने समय तक बाहर रह सकते हैं। 33 साल के टिकनर ने अब तक छह टेस्ट मैच खेले हैं और 22 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर खेला था।
टिकनर की जगह टीम में शामिल किए गए 27 साल के फिशर ने अगस्त 2025 में टेस्ट में डेब्यू किया था, लेकिन उसके बाद से रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है। फिशर भारतीय टीम के इस मौजूदा दौरे पर पांच में से चार वनडे और पांच में से दो टी20 मैचों का हिस्सा रहे हैं। वेलिंगटन में भारत के साथ समाप्त हुए टेस्ट में गेंदबाजों पर ज्यादा वर्कलोड था। पहले और दूसरे टेस्ट के बीच महज तीन दिन का अंतर



है। ऐसे में इन गेंदबाजों के कवर के तौर पर फिशर को टीम में शामिल किया गया है।
न्यूजीलैंड के लिए आने वाली गर्मियां बड़ी हैं। वे 9 दिसंबर से शुरू होने वाले चार टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे और श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे, तीन टी20 और दो टेस्ट के लिए घर लौटेंगे। न्यूजीलैंड अगले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में है, लेकिन बेसिन रिजर्व में ड्रॉ के बाद उनके चांस कम हो गए हैं।

आईपीएल

पंजाब ने पारस म्हाम्ब्रे को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली । *पंजाब किंग्स ने पारस म्हाम्ब्रे को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। म्हाम्ब्रे फ्रेंचाइजी में जेम्स होप्स की जगह लेंगे। होप्स ने पिछले महीने अपना पद छोड़ दिया था। वहीं, फ्रेंचाइजी फील्डिंग कोच के रूप में राजीव कुमार को नियुक्त करने वाली है। वह पूर्व फील्डिंग कोच ब्रैड हैडिन की जगह लेंगे। राजीव चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। पारस म्हाम्ब्रे का गेंदबाजी कोच के रूप में लंबा अनुभव है। वह*



भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। म्हाम्ब्रे 2021 से 2024 तक राहुल द्रविड़ वाली कोचिंग टीम में गेंदबाजी कोच थे। इसके अलावा, वह इंडिया ए और इंडिया अंडर-19 के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में वह बंगाल, महाराष्ट्र, बड़ौदा और विदर्भ के कोच रहे हैं। आईपीएल में पारस म्हाम्ब्रे लंबे समय तक मुंबई इंडियंस (एमआई) का हिस्सा रहे हैं। वह आईपीएल के पहले सीजन (2008) में एमआई के साथ सपोर्ट स्टाफ के तौर पर जुड़े थे। 2010 में फ्रेंचाइजी ने उन्हें सहायक कोच बनाया। 2017 में वह टीम से अलग हो गए। इसके बाद फिर से 2024 से 2026 तक एमआई के गेंदबाजी कोच रहे थे। पारस म्हाम्ब्रे के गेंदबाजी कोच के तौर पर हासिल लंबे अनुभव का लाभ पंजाब किंग्स को मिल सकता है, जो अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में है। म्हाम्ब्रे को हेड कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर पंजाब की गेंदबाजी पर मजबूती से काम करना होगा।
पंजाब किंग्स एक ऐसी फ्रेंचाइजी है, जो पहले सीजन से ही लीग का हिस्सा है, लेकिन एक भी खिताब जीतने में सफल नहीं रही है।

शुभमन गिल के फैसले पर माइकल वॉन ने ली चुटकी

कहा- एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे

नई दिल्ली । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ड्रॉ पर भारत के फैसले पर सवाल उठाया है। वॉन ने कप्तान शुभमन गिल पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि उन्होंने समय रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला क्यों लिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम ने 15 ओवर शेष रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला कर लिया था, जबकि न्यूजीलैंड के 5 विकेट शेष थे। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि उनकी टीम मैनेजमेंट ने दूसरे टेस्ट से पहले पेस अटैक को शारीरिक रूप से फ्रेश रखने को प्राथमिकता दी थी। गिल ने बचे हुए ओवर कराने की स्थिति में भी मैच जीतने पर शंका जताई थी।



गिल ने बताया कि तीनों तेज गेंदबाजों ने मैच के दौरान पहले ही काफी मेहनत की थी, हर एक ने करीब 50 ओवर फेंके थे। टीम को अगले दिन ट्रैवल भी करना था, इसलिए उन्हें लगा कि बॉलिंग यूनिट पर और दबाव न डालना समझदारी वाला विकल्प है।
भारतीय कप्तान ने कहा, 'अगर विकेट में थोड़ी और जान होती, तो शायद, लेकिन तेज गेंदबाज थके हुए थे। उन्होंने मैच में लगभग 50 ओवर फेंके हैं, सभी ने। साथ ही, यह ध्यान में रखते हुए कि जल्दी बदलाव होता है, अगला मैच सिर्फ तीन दिन में है और कल ट्रैवल है, हम अपने सभी गेंदबाजों को फ्रेश रखना चाहते थे। और मुझे सच में नहीं लगा कि 5-10 अतिरिक्त ओवर डालने से इतनी मदद मिलती। '
इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन गिल के तर्क से सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि खेल के बचे हुए एक घंटे में जरूरी पांच विकेट गिर सकते थे।
वॉन ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, 'यह अविश्वसनीय है, इसलिए पिछले एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे। '
उनके मजाकिया जवाब ने गिल के इस अनुमान को सीधे तौर पर चुनौती दी कि कुछ और ओवरों से नतीजे पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। वॉन की इस बात ने भारत के फैसले के रणनीतिक पहलू को भी सामने ला दिया। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब मेहमान टीम गणितीय रूप से जीत की दौड़ में थी।





प्रो रेसलिंग लीग के छठे सीजन का आयोजन दिल्ली में 3 से 19 जनवरी तक होगा

नीलामी 30 नवंबर को होगी

नई दिल्ली । प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा एडिशन 3 से 19 जनवरी, 2027 तक नई दिल्ली के केडी जाधव रेसलिंग एरिना में आयोजित होगा। इसमें छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। आने वाले सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को मुंबई के ग्रैंड हयात में होगी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) कैलेंडर में बदलाव के बाद शनिवार को बदली हुई तारीखों की घोषणा की गई। रीशेड्यूलिंग का मकसद यह पक्का करना है कि लीग का इंटरनेशनल रेसलिंग शेड्यूल से टकराव न हो। इससे लीग में भारतीय और विदेशी रेसलर हिस्सा ले सकेंगे। सीजन 6 में 86 टॉप रेसलर होंगे, जिनमें 34 इंटरनेशनल मेडलिस्ट शामिल हैं। लीग में ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्टों के एक बड़े समूह के हिस्सा लेने की उम्मीद है।
इसमें हिस्सा लेने वाली छह फ्रेंचाइजी मुंबई दंगल, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।
आने वाले ऑक्शन में काफी ध्यान जाने की उम्मीद है, क्योंकि फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल और इंडियन रेसलिंग के कुछ सबसे बड़े नामों को हासिल करके अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं।
पिछले ऑक्शन में जापान के ओलंपिक चैंपियन यूई सुसाकी 60 लाख रुपये की विनिंग बिड हासिल करके पीडब्ल्यूएल के इतिहास में सबसे महंगे रेसलर बने थे। भारत के अमन सेहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल भी सबसे बड़ी एक्विजिशन में शामिल थे, जिनमें से हर एक के लिए 50 लाख रुपये से ज्यादा की बिड लगी थी।
पीडब्ल्यूएल के चेयरमैन दयान फारूकी ने कहा कि बदला हुआ शेड्यूल लीग को इंटरनेशनल रेसलिंग कैलेंडर के साथ अलाइन रहने में मदद करेगा और साथ ही टॉप एथलीट्स का पार्टिसिपेशन भी पक्का करेगा।
फारूकी ने कहा, 'यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग कैलेंडर में बदलाव के बाद, हमने सीजन 6 को 3 से 19 जनवरी, 2027 तक रीशेड्यूल किया है। 30 नवंबर को होने वाली प्लेयर ऑक्शन में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन रेसलिंग टैलेंट एक साथ आएंगे, जिसमें बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिटर और भारत के टॉप स्टार शामिल हैं। '

दैनिक महका संसार
mahekasansar.com
विश्वास वही, पहचान नई

बुधवार, 25 नवम्बर 2026
जोधपुर (राज.)

बिहार : उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम में बगावत, 3 विधायकों ने मांगा अलग गुट

पटना, एजेंसी। बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के चार में से तीन विधायकों ने नेतृत्व के खिलाफ बगावत पर उतर आए है। सूत्रों के अनुसार, इन बागी विधायकों ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष से संपर्क कर खुद को एक अलग गुट के रूप में मान्यता देने की मांग की है, जिससे पार्टी में आंतरिक संकट गहरा गया है इस असंतोष की जड़ें तब से गहरी हुई हैं जब उपेंद्र कुशवाहा ने अपने बेटे दीपक प्रकाश को बिहार मंत्रिमंडल में शामिल कराया था। तब दीपक प्रकाश विधानमंडल के किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे, जिस पर इन विधायकों ने सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर की थी। बागी विधायकों का आरोप है कि पार्टी का कामकाज अब काफी हद तक पारिवारिक हितों से प्रेरित है। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण निर्णयों में उनसे कोई सलाह नहीं ली जाती और चुने हुए प्रतिनिधियों के बजाय परिवार के सदस्यों, खासकर दीपक प्रकाश को प्राथमिकता मिलती है। इन विधायकों ने पहले भी पार्टी के संगठनात्मक और राजनीतिक फैसलों पर असहमति व्यक्त की थी, जिसके कारण उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच दूरियां बढ़ गईं। तीन विधायकों के अलग होने के बाद, अब उपेंद्र कुशवाहा के गुट में केवल उनकी पत्नी स्नेहलता कुशवाहा ही बची हैं।

देश में बढ़ी ठंड, कश्मीर और पहाड़ों में जमाव बिंदु से नीचे पहुंचा पारा

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि मध्य प्रदेश का भोपाल 12.4 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा शहर रहा। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में देश के कई हिस्सों में पारा 2 से 4 डिग्री तक और गिरने का अनुमान जताया है। उत्तर प्रदेश के 15 शहरों में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जहां लखीमपुर में विजिबिलिटी 25 मीटर से कम रही। छत्तीसगढ़ में भी कोहरे के बीच अगले तीन दिनों तक ठंड बढ़ने के आसार हैं। पहाड़ी राज्यों में ठंड और भी ज्यादा है। कश्मीर के छह शहरों में पारा शून्य से नीचे रहा, शोपियां में -3.9 डिग्री और श्रीनगर में -0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश के चंबा में मणिमहेश झील 4 से 5 इंच मोटी बर्फ की परत के साथ जम गई है। उत्तराखंड के चारों धामों, बद्रीनाथ और गंगोत्री में तापमान क्रमशः -11 और -14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। 25 और 26 नवंबर को उत्तराखंड, असम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में घने कोहरे का जबकि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरलम में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

विश्व हिंदू परिषद का राष्ट्रव्यापी हित चिंतक अभियान शुरू, 5 करोड़ सदस्य जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने पूरे भारत में अपने महत्वाकांक्षी हित चिंतक अभियान का शुभारंभ किया है। 16 दिसंबर तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत वीएचपी का लक्ष्य देश भर में 5 करोड़ से अधिक नए हित चिंतक (सदस्य) बनाना है। यह अभियान विभिन्न समुदायों तक पहुंच बनाकर संगठन की विचारधारा और कार्यों का प्रचार-प्रसार करेगा। अभियान के तहत, वीएचपी ने सिर्फ महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से 11 लाख हित चिंतक बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें नागपुर जिले और शहर से 1 लाख सदस्य शामिल हैं। विदर्भ प्रांत के 12,500 गांवों तक पहुंचने की योजना है, जहां हर जिले और बस्ती में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को सदस्यता दे रहे हैं। वीएचपी के विदर्भ महामंत्री प्रशांत तितरे ने बताया कि प्रतिदिन सुबह और शाम 4-4 घंटे कार्यकर्ता इस कार्य में लगे हैं।
इस अभियान से 15 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति महिला, पुरुष या युवा जुड़ सकता है, बशर्ते वह विश्व हिंदू परिषद और सनातन धर्म को मानता हो। वीएचपी के विदर्भ महामंत्री तितरे ने स्पष्ट किया कि किसी भी राजनीतिक दल, पंथ या विचारधारा से संबंध रखने वाला व्यक्ति, यदि वह सनातनी है, तब इस अभियान का हिस्सा बन सकता है। वीएचपी दुर्गम क्षेत्रों जैसे घाटी, मणिपुर और पूर्वी भारत के दूर-दराज के इलाकों तक भी पहुँचने के लिए विशेष रणनीति बना रहा है।

रेवंत रेड्डी का आरोप: केसीआर ने कृष्णा जल बंटवारे पर किए तेलंगाना के मृत्यु वारंट पर दस्तखत

हैदराबाद , एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में राव ने कृष्णा नदी के जल में से राज्य के लिए केवल 299 टीएमसी पानी के हिस्से पर सहमति जताकर तेलंगाना के जल अधिकारों के ''मृत्यु वारंट'' पर दस्तखत किए।

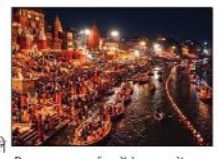


सीएम रेवंत का यह बयान बीआरएस के उन आरोपों के पलटवार के रूप में आया है, जिसमें बीआरएस ने दावा किया था कि कांग्रेस की रेवंत सरकार ने कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के अधिकारों को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के पास गिरवी रख दिया है। सीएम रेड्डी ने बीआरएस पर झूठ फैलाकर सरकार को बदनाम करने का सुनियोजित प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि केसीआर ने तेलंगाना को कृष्णा नदी के जल में से केवल 299 टीएमसी पानी देने और आंध्र प्रदेश को 512 टीएमसी पानी देने पर सहमति जाहिर की थी। मुख्यमंत्री रेवंत ने तुम्मिडीहेट्टी परियोजना से पीछे हटने के फैसले को केसीआर के उन विनाशकारी कदमों में से बताया, जिन्होंने तेलंगाना के लिए संकट खड़ा किया। सीएम रेड्डी ने कहा, इन दो फैसलों के साथ केसीआर ने तेलंगाना के जल अधिकारों के मृत्यु वारंट पर दस्तखत कर दिया। उन्होंने आगे जोड़ा कि पिछले चुनाव (2023) में उन्हें मिली सजा पर्याप्त नहीं है, और उन्हें तभी पूरी सजा मिलेगी, जब उन्हें राजनीतिक रूप से हमेशा के लिए दफना दिया जाएगा।
बीआरएस के आरोप पर कि कांग्रेस की सरकार आंध्र प्रदेश की पलनाडु वाटर ग्रिड योजना को रोकने में नाकाम रही, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस योजना के लिए सरकारी आदेश (जीओ) 2022 में जारी किया गया था। उस समय के चंद्रशेखर राव और वाई एस जगन मोहन रेड्डी क्रमशः तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इसका फैसला कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नहीं हुआ। उन्होंने बीआरएस को तेलंगाना के हितों की अनदेखी करने का जिम्मेदार ठहराया।

काशी में देव दीपावली की भव्य छटा, 84 घाटों पर जले 11 लाख दीये

- करीब 15 लाख पर्यटकों ने देखा गंगा आरती, लेजर-ड्रोन शो और आतिशबाजी का नजारा

वाराणसी, एजेंसी। काशी में देव दीपावली के अवसर पर सोमवार शाम गंगा के 84 घाट करीब 11 लाख दीयों की रोशनी से जगमगा उठे। भव्य सजावट के साथ दीपों की जगमग ने श्रद्धालुओं समेत देश-विदेश के पर्यटकों का मन मोह लिया। देव दीपावली उत्सव को देखने करीब 40 देशों के मेहमान काशी पहुंचे। देव दीपावली के अवसर पर नमो घाट पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव का शुभारंभ किया। इसके साथ ही काशी के विभिन्न घाटों पर दीप प्रज्वलित किए गए। घाटों की भव्य सजावट और दीपों की रोशनी देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक पहुंचे। देव दीपावली का उत्सव देखने के लिए करीब 40 देशों से मेहमान काशी पहुंचे थे। स्थानीय प्रशासन के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि करीब 15 लाख पर्यटकों के शहर में पहुचने का अनुमान है। घाटों पर गंगा आरती के साथ लेजर शो, ड्रोन शो और आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रहे। गंगा के दोनों किनारों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक मौजूद रहे। काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर नमो घाट और हरिश्चंद्र घाट तक विशेष सजावट की गई। मंदिरों और घाटों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। मणिकर्णिका और अन्य प्रमुख घाटों की सजावट भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। विदेशी पर्यटकों ने भी काशी की देव दीपावली और घाटों पर दीपों की भव्य सजावट की सराहना की। गंगा के उस पार आतिशबाजी का विशेष आयोजन किया गया। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी बिखरती रही और गंगा किनारे मौजूद लोगों ने आतिशबाजी का आनंद लिया। नदी के दोनों किनारों से दीपों से जगमगाते घाटों का दृश्य बेहद आकर्षक नजर आया। लाखों दीयों की रोशनी, गंगा आरती और रंगीन आतिशबाजी के बीच काशी का पूरा घाट क्षेत्र उत्सव के रंग में डूबा रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक देर रात तक घाटों पर मौजूद रहे और देव दीपावली के इस भव्य आयोजन को देखा।



भाजपा-शिअद गठबंधन पर केजरीवाल का तंज, हमारा तालमेल जनता से

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सत्ता की लालच में भाजपा किसी भी दल से हाथ मिला सकती है, जबकि आप का सच्चा गठबंधन पंजाब की महिलाओं, अनुसूचित जाति समुदाय, किसानों और व्यापारियों के साथ है। आप नेता केजरीवाल ने गठबंधन को दोनों दलों के राजनीतिक हितों का परिणाम बताया, जो बार-बार साथ आते और फिर अलग होते रहे हैं। उन्होंने कहा, कभी ये साथ आते हैं, कभी अलग हो जाते हैं और फिर साथ आ जाते हैं। हमारा गठबंधन पंजाब की जनता के साथ है। आप नेता ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के विकास के लिए काम कर रही है और जनता ने पिछले पांच वर्षों में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार के कामकाज को देखा है। केजरीवाल ने दावा किया कि आप सरकार पंजाब को दशकों से प्रभावित कर रही समस्याओं का समाधान करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब की जनता तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए किसान आंदोलन को नहीं भूली है, जिसमें 700 से अधिक किसानों की जान गई थी। उन्होंने शिअद सरकार के कार्यकाल में हुई बेअदबी की घटनाओं और राज्य में फैले नशे के दौर का भी उल्लेख किया। दिल्ली में आप विधायक जरनैल सिंह ने गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि दो शून्य को जोड़ने पर भी शून्य ही होता है, इसलिए इसका पंजाब में कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आप देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो अपने काम के आधार पर वोट मांगती है। केजरीवाल ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की जयंती पर भी लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनके जीवन व शिक्षाओं को कठिन समय में मार्गदर्शक बताया।



शरद पवार के राजनीतिक भविष्य और एनसीपी विलय पर सुप्रिया का बयान, ये सब अफवाह

मुंबई , एजेंसी । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख और राज्यसभा सांसद शरद पवार के स्वास्थ्य संबंधी हालिया घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में उनके संन्यास और पार्टी के भविष्य को लेकर अटकलों का बाजार गर्म किया था। पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे शरद पवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, इन सभी कयासों पर उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने खुलकर जवाब देकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पवार के सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर सुप्रिया सुले ने इन्हें भ्रामक बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल अभी पांच साल शेष है, और इसतरह के अनुभवी नेता के बारे में इस तरह की



बातें बेहद चौंकाने वाली और गलत हैं। शरद पवार की बेटी सुले ने जोर देकर कहा कि राजनीति में कोई व्यक्ति कब तक सक्रिय रहेगा और कब रिटायर होगा, यह तय करने का अधिकार केवल जनता के पास है, न कि किसी रिपोर्ट या कयासों के आधार पर।
इसके साथ ही, महाराष्ट्र की राजनीति में एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एकजुट होने की अटकलों भी सुले ने विराम लगाया। ये चर्चाएँ तब तेज हुईं जब अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल पटेल ने अस्पताल में शरद पवार का हालचाल जानने पहुंचे थे। इसके अलावा, सुनील तटकरे ने दावा किया था कि अजित पवार ने दोनों गुटों के विलय को लेकर बातचीत की पहल की थी। इन दावों पर प्रतिक्रिया देकर सुप्रिया सुले ने स्वीकार किया कि विलय को लेकर बातचीत जरूर हुई थी, लेकिन वह केवल तब तक थी जब उनके भाई अजित पवार उनके साथ थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एक होने की कोई गुंजाइश नहीं है। सुले के अनुसार, पार्टी के विभाजन के बाद, उनकी तरफ से वे सारी बातचीत हमेशा के लिए खत्म हो गई हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी के नेता अब इस विषय पर कोई टिप्पणी भी नहीं करते हैं, क्योंकि उनके लिए यह अध्याय पूरी तरह बंद हो चुका है।

जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहा युवक गिरफ्तार

मेरठ,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस को निशाना बनाने के लिए कथित तौर पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहे युवक को मेरठ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक जुबैर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में था और जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की साजिश रच रहा था। इस मामले में पांच अन्य युवकों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक जुबैर को सोमवार को गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए आईबी, एटीएस, इंटेलिजेंस और पुलिस की टीमों ने उससे कई घंटे तक पूछताछ की। शुरुआती पूछताछ में जुबैर ने जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की तैयारी करने और पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में रहने की बात बताई है। जांच में यह भी सामने आया है कि जुबैर जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए आरोपी साजिद के ऑनलाइन संपर्क में था। पुलिस को दोनों के पाकिस्तानी मोबाइल नंबरों के जरिए बातचीत करने और वहां से निर्देश मिलने से जुड़े इनपुट भी मिले हैं।

सफलता का मंत्र: वरिष्ठ वकील सिंघवी की सलाह, एआई से बचें शुरुआती 5 साल

नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और पांच बार के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने युवा वकीलों और लॉ छात्रों को वकालत के पेशे की कुछ बारीकियां साझा कीं। आज कल वकालत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती दखल और कानूनी परिवारों से आने वाले नेपोटिज्म के फायदों के बीच, उन्होंने एक नए वकील के लिए अपनी जगह बनाने का स्पष्ट रास्ता बताया। डॉ. सिंघवी ने शुरुआत में ही स्पष्ट किया कि वे युवाओं को उपदेश देने नहीं, बल्कि अपने अनुभव साझा करने आए हैं, क्योंकि सलाह युवाओं को पसंद नहीं आती। हालांकि, उन्होंने नई पीढ़ी की तकनीकी समझ और संसाधनों की सराहना की, जिनकी कल्पना पिछली पीढ़ियां नहीं कर सकती थीं। कानून के क्षेत्र में सफलता का मूल मंत्र बताकर डॉ. सिंघवी ने कहा कि निरंतर परिश्रम और धैर्य का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, मेहनत, और ज्यादा मेहनत और उससे भी ज्यादा मेहनत, यही मेरी सफलता का मंत्र है। वकालत में 99 फीसदी मेहनत है और सिर्फ 1 फीसदी प्रेरणा का खेल होता है। कानूनी कामकाज में एआई के बढ़ते उपयोग पर उन्होंने बेहद संतुलित और व्यावहारिक सलाह दी। उन्होंने खुद को तकनीक का दिल से समर्थक बताया, लेकिन साथ ही आगाह किया कि इस तकनीक को अपना मालिक नहीं बनने दे सकते। खासतौर पर युवा वकीलों को उन्होंने सलाह दी, मैं कानूनी दस्तावेजों की ड्राफ्टिंग के लिए एआई के इस्तेमाल का समर्थन नहीं करता, खासकर करियर के शुरुआती पांच साल आपको ड्राफ्टिंग खुद करनी चाहिए।
डॉ. सिंघवी ने बताया कि समय के साथ कानून के पेशे को लेकर समाज का नजरिया पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां कानूनी करियर का आखिरी विकल्प माना जाता था, वहीं आज यह छात्रों की पहली पसंद बन चुका है। उन्होंने वकालत में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को बताकर कहा कि वे अब शानदार काम कर रही हैं। कानूनी पृष्ठभूमि से आने वाले वकीलों को मिलने वाले शुरुआती लाभ पर उन्होंने बेबाक राय रखकर माना कि पारिवारिक पृष्ठभूमि से शुरुआती मंच जरूर मिल सकता है, लेकिन एक या दो केस के बाद सभी वकील एक ही स्तर पर खड़े होते हैं और असली पहचान काम और अनुभव से ही बनती है। उन्होंने जोड़ा कि अब पारिवारिक पृष्ठभूमि का यह फायदा धीरे-धीरे कम हो रहा है।
एक वकील की नैतिकता और भूमिका पर बात कर डॉ. सिंघवी ने कहा कि कानूनी पेशेवरों को अपने क्लाइंट के प्रति पूर्वाग्रह नहीं रखना चाहिए, क्योंकि जीवन और कानून हमेशा ब्लैक एंड व्हाइट नहीं होते, बल्कि ग्रे (मिश्रित परिस्थितियों वाले) होते हैं। उन्होंने कहा, एक वकील को न अपना मुवक्किल चुनना चाहिए और न ही उस जज करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कई इसतरह के केस लेने से इंकार किया है, जहां उन्हें लगा कि अदालत में वे दलीलें नहीं टिक पाएंगी। अपनी प्रेरणा के स्रोत के बारे में पूछने पर डॉ. सिंघवी ने अपने पिता को याद किया, जो स्वयं एक वकील और संस्कृत के विद्वान थे। उन्होंने युवाओं को महापुरुषों की जीवनियां पढ़ने की सलाह दी, क्योंकि उनसे जीवन की दिशा और प्रेरणा मिलती है। अपनी व्यस्त दिनचर्या के बारे में उन्होंने बताया कि वे वकालत, राजनीति, मीडिया संवाद और अपने अध्ययन के बीच लगातार संतुलन बनाते हैं, और वे हमेशा से शिक्षक बनना चाहते थे, जिसका प्रमाण उनके विश्वविद्यालयों में दिए जाने वाले व्याख्यान हैं।

जंगल, पहाड़ और ग्लेशियर को किया बर्बाद... नहीं बनेगा पवित्र अमरनाथ शिवलिंग

बीआरओ की कार्रवाई को लेकर केंद्र पर बरसी महबूबा

श्रीनगर , एजेंसी। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती को मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शेषनाग झील जाते समय पुलिस ने रोक दिया। वे वायरल वीडियो की जांच करने जा रही थीं, जिसमें अमरनाथ यात्रा मार्ग पर भारी मशीनों और खुदाई का काम दिखाया गया है। पूर्व सीएम महबूबा ने चेतावनी दी कि यदि हिमालय के नाजुक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया गया, तब अमरनाथ शिवलिंग का बनना असंभव होगा।
चंदनवाड़ी से शेषनाग तक पैदल जाने की कोशिश कर रहीं महबूबा ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शेषनाग में जो हो रहा है, वह बहुत डरावना है, जहां बड़ी मशीनों और बुलडोजरों का इस्तेमाल हो रहा है। उनके अनुसार, जंगल, पहाड़ और ग्लेशियर अमरनाथ शिवलिंग के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और उन्हें नष्ट करने से पवित्र परंपरा का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा। पीडीपी नेता महबूबा ने शेषनाग को हिंदू परंपरा और कश्मीरियत का प्रतीक बताकर कहा कि यह विकास के नाम पर परिदृश्य को बदलने का प्रयास है, जैसा कि उत्तराखंड में भी किया गया है।



यह खुदाई सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा अमरनाथ यात्रा कॉरिडोर के विस्तार से जुड़ी है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता को देखकर विरोध हो रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों ने क्षेत्र में भारी मशीनों के उपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने भूस्खलन की आशंका जाहिर की है, क्योंकि यह क्षेत्र अस्थिर भू-भाग और ढीले हिमनद मलबे से घिरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, खुदाई और कंपन से लिद्दर नदी के पानी की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है, जिसका शेषनाग झील प्रमुख स्रोत है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी की रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि अमरनाथ यात्रा मार्ग का 85 प्रतिशत हिस्सा भूस्खलन के लिए संवेदनशील है।
महबूबा मुफ्ती ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मामले में हस्तक्षेप करने और कश्मीर के नाजुक हिमालयी पर्यावरण से समझौता न करने की अपील की है। वहीं, बीआरओ ने वायरल वीडियो पर अपनी स्थिति साफ कर कहा है कि यात्रा के बाद ट्रैक चौड़ा करने का काम निर्धारित सुरक्षा और पर्यावरण नियमों के तहत हो रहा है। उन्होंने बताया कि यह कार्य मौजूदा ट्रैक तक ही सीमित है और भीड़ में भगदड़ जैसी स्थितियों से बचने के लिए ट्रैक का चौड़ा होना आवश्यक है। बीआरओ ने आश्वस्त किया कि कमजोर हिस्सों को स्थिर किया जा रहा है, खुदाई की मिट्टी का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित किया जा रहा है और प्राकृतिक जल निकासी की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

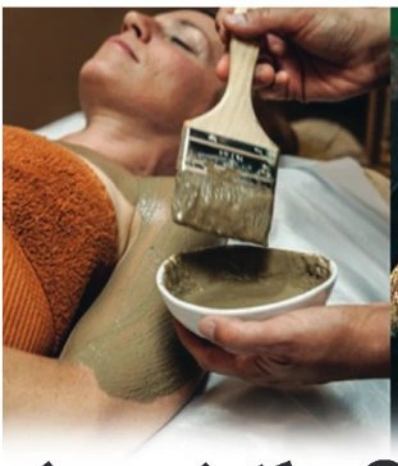
दिलजीत दोसांझ के बेंगलुरु कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

बेंगलुरु , एजेंसी । सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी बेंगलुरु कॉन्सर्ट से पहले सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ी है। पुलिस को एक धमकी भरा ईमेल मिला है, जिसमें आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से हमले की बात कही गई है। 29 नवंबर को होने वाले शो को लेकर दर्शकों में जहां भारी उत्साह था, वहीं इस धमकी ने लोगों में सतर्कता और सवाल दोनों पैदा कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, यह ईमेल धारवाड़ के पुलिस कमिश्नर को भेजा गया है। इसमें बेंगलुरु के मादावरा में एनआईसीई रोड ग्राउंड पर होने वाले कॉन्सर्ट को निशाना बनाने का जिक्र है। धमकी भरे संदेश में खालिस्तान जिंदाबाद का नारा लिखा गया है और शो के दौरान आईईडी धमाके की चेतावनी दी गई है। ईमेल में आम लोगों के लिए कई चेतावनियां भी थीं, जैसे बच्चों को कॉन्सर्ट में न लाने, आईफोन पर आने वाली कॉल का जवाब न देने और मेट्रो से सफर से बचने की अपील।

जेवर एयरपोर्ट के नामकरण पर कांग्रेस का पीएम मोदी पर प्रहार... इतनी जल्दी में क्यों हैं

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने के फैसले को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस पार्टी ने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री मोदी को हर बड़ी परियोजना पर अपना नाम दर्ज कराने की इतनी जल्दी में क्यों हैं, और क्या उन्हें अपनी राजनीतिक विरासत को लेकर कोई बेचैनी महसूस हो रही है?
दरअसल कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पोस्ट के द्वारा आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने काम और फैसलों के जरिए एक मजबूत विरासत बनाने के बजाय, पद पर रहते हुए ही हर बड़ी परियोजना पर अपना नाम दर्ज कराने में लगे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का जिक्र कर कहा कि इसका उद्घाटन समारोह संपन्न हो चुका है, लेकिन अब तक एक भी तय अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू नहीं हुई है और यात्रियों की आवाजाही भी सुस्त है। इसके बावजूद, इसका नाम बदलकर 'नरेन्द्र मोदी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, नोएडा-जेवर' रख दिया गया है। उन्होंने अहमदाबाद के 'नरेन्द्र मोदी स्टेडियम' का हवाला देकर तंज कसते हुए पूछा कि अगला नंबर किसका होगा?
कांग्रेस नेता ने कहा कि सवाल केवल नामकरण का नहीं, बल्कि इस बात का है कि प्रधानमंत्री मोदी को अपनी विरासत बनाने के लिए अपने काम और फैसलों पर भरोसा करने के बजाय बड़ी परियोजनाओं पर अपना नाम दर्ज कराने की जल्दी में क्यों हैं। उन्होंने कटाक्ष कर पूछा कि कहीं यह इस बात की बेचैनी, नहीं कि कुर्सी छूटने के बाद कोई उनका नाम लेने वाला भी नहीं होगा।
कांग्रेस नेता रमेश ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का उदाहरण देकर बताया कि जनवरी 1949 में नेहरू ने हैदराबाद के फतेह मैदान का नाम अपने नाम पर रखने से इंकार किया था। इस तरह, दिसंबर 1956 में जम्मू-कश्मीर की बनिहाल सुरंग का नाम उनके सम्मान में रखने के प्रस्ताव को भी उन्होंने रोक दिया था। कांग्रेस महासचिव ने एम सी छागला की आत्मकथा 'रोजेज इन दिसंबर' का हवाला देकर बताया कि 1960 के दशक की शुरुआत में जब तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री छागला ने राजधानी में प्रस्तावित दूसरे विश्वविद्यालय का नाम नेहरू के नाम पर रखने का प्रस्ताव दिया, तब उन्होंने तत्काल इस बात को खारिज कर दिया था।

दैनिक महका संसार
mahekasansar.com
विश्वास वही, पहचान नई
बुधवार, 25 नवम्बर 2026
जोधपुर (राज.)





नेचुरोपैथी में बनाएं अपना कॅरियर

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्सक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

आज के समय में लोगों का लाइफस्टाइल जिस तरह का है, उसके कारण हर व्यक्ति किसी न किसी समस्या से ग्रस्त रहता ही है। लेकिन हर समस्या के लिए दवाइयों का इस्तेमाल करना उचित नहीं माना जाता। अगर आप भी लोगों का इलाज प्राकृतिक तरीके से करने में विश्वास रखते हैं तो नेचुरोपैथी में अपना भविष्य बना सकते हैं। यह एक ऐसी वैकल्पिक चिकित्सा है, जिसमें प्रकृति के पांच तत्वों की सहायता से व्यक्ति का इलाज किया जाता है। यह इलाज की एक बेहद पुरानी पद्धति है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे व्यक्ति को सामान्य चिकित्सा व मानव शरीर रचना विज्ञान के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त एक सफल नेचुरोपैथ बनने के लिए आपके भीतर धैर्य, कम्युनिकेशन और लिसनिंग स्किल्स, आत्मविश्वास, मरीज की जरूरतों को समझना, मोटिवेशनल्स स्किल्स व रोगियों के भीतर विश्वास पैदा करने का भी कौशल होना चाहिए।

क्या होता है काम

एक नेचुरोपैथ का मुख्य काम सिर्फ रोगी का इलाज करना ही नहीं होता, बल्कि वह अपने पेशेंट के खानपान और उसके लाइफस्टाइल में भी बदलाव करता है, ताकि व्यक्ति जल्द से जल्द ठीक हो सके। इतना ही नहीं, एक नेचुरोपैथ को मनोविज्ञान का भी ज्ञान होना चाहिए ताकि वह रोगी की स्थित को समझकर उसे बेहतर उपचार दे सके।

योग्यता

इस क्षेत्र मे कॅरियर देख रहे छात्रो का भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान में कम से कम 45 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके बाद आप बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी और यौगिक साइंस कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इसमें डिप्लोमा कोर्स भी अवेलेबल हैं।



संभावनाएं

एक नेचुरोपैथ वेलनेस सेंटर्स, न्यूट्रिशन सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ केयर सेंटर आदि में जॉब तलाश सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एकेडमिक्स, कम्युनिटी हेल्थ सर्विस केयर, सोशल वेलफेयर, मैन्युफैक्चरिंग और नेचुरल प्रॉडक्ट्स कंपनी आदि में भी काम कर सकते हैं। भारत में प्राकृतिक चिकित्सक सरकारी और निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में नियुक्त किए जाते हैं। वैसे लग्जरी होटल व हेल्थ रिसॉर्ट में भी नेचुरोपैथ सर्विसेज दी जाती हैं, यहां पर भी जॉब की जा सकती है। इसके अतिरिक्त आप विभिन्न अखबार, मैगजीन में लिख सकते हैं या फिर खुद का यूट्यूब चैनल चलाकर भी अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। एक अनुभवी प्राकृतिक चिकित्सक खुद का सेंटर भी खोल सकता है।

आमदनी

एक नेचुरोपैथ यानी प्राकृतिक चिकित्साक का वेतन काफी हद तक उसकी लोकेशन, विशेषज्ञता, योग्यता और अनुभव पर निर्भर करता है। वैसे शुरूआती तौर पर एक नेचुरोपैथ दस हजार से बीस हजार रूपए आसानी से कमा सकता है। एक बार अनुभव प्राप्त करने के बाद आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी, नई दिल्ली।
- महर्षि पतंजलि इंस्टीटयूट फॉर योगा नेचुरोपैथी एजुकेशन एंड रिसर्च, गुजरात।
- बोर्ड ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सिस्टम ऑफ मेडिसिन, मेरठ।
- सीएमजे यूनिवर्सिटी, मेघालय।
- प्रज्ञान इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रांची।
- एसडीएम कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगा सांइस, कर्नाटक।
- हिमालयन यूनिवर्सिटी, ईटानगर।
- महावीर कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योग, छत्तीसगढ़।



एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अंत में वह टैटू बनाता है।

अगर आपको भी है टैटू बनाने का पैशन...

पिछले कुछ समय से टैटू बनवाने का क्रेज युवाओं में काफी बढ़ गया है। वैसे तो टैटू पुराने समय से बनाए जाते रहे हैं लेकिन कुछ सालों से इसके स्वरूप में काफी परिवर्तन आया है। वर्तमान समय में सिर्फ आम लोग ही नहीं, बड़े-बड़े स्टार्स भी बॉडी पर टैटू बनवाते हैं, फिर चाहे बात दीपिका पादुकोण की हो या प्रियका चोपड़ा की, हर कोई टैटू बनवा चुकी है। आज के समय में बहुत से ऐसे युवा है जो न सिर्फ टैटू बनवाने का क्रेज रखते हैं, बल्कि वह टैटू बनाना भी सीखना चाहते हैं। अगर आपको भी टैटू बनाने का पैशन है तो आप इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं देख सकते हैं-

क्या होता है काम

एक टैटू आर्टिस्ट का काम महज टैटू बनाना ही नहीं होता। वह सबसे पहले अपने क्लाइंट की जरूरत को समझता है और उसके अनुसार अपने क्लाइंट को कुछ बेहतरीन सुझाव देता है। अत मे वह टैटू बनाता है। इसके अलावा टैटू बनाने के बाद शुरूआत में स्किन की सही तरह से केयर करनी भी जरूरी होती है, इसलिए एक टैटू मेकर का काम है कि वह अपने क्लाइंट को स्किन केयर के बारे में भी सारी जानकारी दे ताकि उन्हें बाद में किसी तरह की परेशानी न उठानी पडे।

स्किल्स

इस क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत है आपका क्रिएटिव माइंड। आज के समय में पहले की तरह सिंपल टैटू नहीं बनाए जाते। इसलिए एक टैटू मेकर क्लाइंट की जरूरत को समझकर और अपनी क्रिएटिविटी का प्रयोग करके शरीर के विभिन्न हिस्सो पर अलग-अलग कलर कॉम्बीनेशन और केमिकल्स के जरिए बेहतरीन आकृति को उकेरता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में आपकी सफलता आपका पैशन तय करता है। अगर आप इस काम से दिल से प्यार करते हैं, तभी आपको इस क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त एक टैटू मेकर को हमेशा अपडेट रहना चाहिए। उसे लेटेस्ट ट्रेंड की जानकारी होनी चाहिए। एक टैटू बनाना देखने में भले ही आसान लगे लेकिन यह एक कठिन काम है। इसमें आपको बेहद पेशेंस और एकाग्रता की जरूरत होती है। कई बार लोगों को टैटू से त्वचा में संक्रमण भी फैल जाता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि आप इससे भी अच्छी तरह वाकिफ हों और हर तरह की सावधानी बरतते हुए ही अपना काम करें।





योग्यता

इस क्षेत्र में कॉरियर की संभावनाएं देख रहे छात्रों के लिए कोई मिनिमम योग्यता निर्धारित नहीं है। लेकिन टैटू बनाने में आजकल मशीनों का प्रयोग किया जाता है, इसके लिए आप किसी टैटू स्टूडियो या संस्थान से शॉर्ट टर्म कोर्स के जरिए टैटू मेकिंग सीख सकते है। यह कोर्स एक से दो महीने का होता है।

संभावनाएं

एक टैटू मेकर के लिए काम की कोई कमी नहीं है। टैटू मेकिंग का काम सीखने के बाद आप घर से ही काम की शुरूआत कर सकते हैं। अगर आप बजट अच्छा है तो अलग से टैटू मेकिंग स्टूडियो भी खोला जा सकता है। अगर आप क्लाइंट के घर जाकर काम कर सकते हैं तो ऑनलाइन काम को प्रमोट करना अच्छा रहेगा। इससे आपको कम समय मे ही अच्छा काम मिलने लगेगा। इसके अतिरिक्त बड़े-बड़े मॉल्स में भी टैटू मेकिंग का काम शुरू किया जा सकता है।

आमदनी

इस क्षेत्र में कमाई अनुभव और आपके काम के अनुसार बढ़ती है। वैसे कोर्स करने के बाद शुरूआती दौर में एक टैटू मेकर प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपए आसानी से कमा सकता है। लेकिन कुछ सालों के अनुभव के बाद जब आप अपना नाम स्थापित कर लेते है तो आपकी आमदनी लाखों में भी हो सकती है।

कम्युनिकेशन डिजाइनिंग से दें कॅरियर को एक नई उड़ान

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके। देश के प्रतिष्ठित संस्थान राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान डिजाइनिंग संबंधी कई कोर्स संचालित करता है। इन कोर्सेस में दाखिला लेकर छात्र न सिर्फ अपने सपनों को उड़ान दे सकते हैं, बल्कि सफलता की नई कहानी भी लिख सकते हैं। आज हम आपको राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान में संचालित विभिन्न कोर्स की जानकारी दे रहे हैं



बैचलर ऑफ डिजाइन बी.डेस

यह चार वर्षीय पाठ्यक्रम है जो आठ विषयो में उपलब्ध है। 12वीं स्तर के 20 वर्षीय विद्यार्थी इन कोर्सेस मे दाखिला ले सकते है।

एनीमेशन फिल्म डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि करीबन चार वर्ष की होती है और इसमें महज 15 सीटें ही एनआईडी में उपलब्ध होती हैं। इस कोर्स को करने के बाद छात्र विभिन्न टीवी चैनल में एनिमेटर, करैक्टर डिजाइनर, स्टोरी बोर्ड आर्टिस्ट, क्रिएटिव डायरेक्टर, प्रोडूसर, कंसलटेंट आदि के रूप में काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते है।

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन

सिरामिक एवं ग्लास डिजाइन कला और रचनात्मकता के क्षेत्रों में शिल्प, वास्तु, चिकित्सा, सत्कार, सज्जा उत्पादों आदि शैलियों में कार्यात्मक सम्भावनायें भी प्रदान करता है। एनआईडी का यह विभाग भारतीय कला और शिल्प से प्रेरणा लेता है और छात्रों को भविष्य में बड़े पैमाने पर उत्पादन और नयी तकनीकों की क्षमता को समझने में मदद करता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र एनजीओ, डिजाइन स्टूडियो, शिल्प उद्योग में भी रोजगार के अवसर ढूढ सकते है या खुद का बिजनेस भी शुरू कर सकते है।

एक्सबिशन डिजाइन

कम्युनिकेशन डिजाइन से संबंधित इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है। इस कोर्स के दौरान छात्रों में ऐसी समझ का विकास किया जाता है, जिससे खुले और निर्मित स्थानों में संचार के लिए सही परिवेश की स्थापना हो सके। इसके साथ ही ऐसे अनुभवों का निर्माण हो सके जिनके समर्थन से दर्शकों के समक्ष विचारों की व्याख्या हो सके।

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन

फिल्म व वीडियो कम्युनिकेशन कोर्स के तहत छात्रों को छोटी एजुकेशनल, कल्चरल, सोशल, एंटरटेनिंग व मार्केट कम्युनिकेशन संबंधी शार्ट फिल्में बनाने करने के लिए तैयार किया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद छात्र ऑडियो-विजुअल कम्युनिकेशन के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। ऐसे छात्रों के लिए एड एजेंसी, फिल्म प्रॉडक्शन हाउस, टीवी चैनल्स व अन्य कई सरकारी क्षेत्रों व एनजीओ के रास्ते हमेशा खुले रहते हैं।

फर्नीचर डिजाइन

फर्नीचर डिजाइन भी वास्तव में एक कला है और इस कला की पूरी जानकारी एनआईडी के चार वर्षीय फर्नीचर डिजाइन कोर्स से प्राप्त होती है। कोर्स में विभिन्न प्रकार के मैटीरियल, उनके इस्तेमाल और क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करके कुछ नया बनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

ग्राफिक डिजाइन

पिछले कुछ समय से ग्राफिक डिजाइनर की मांग काफी बढ़ी है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन तक लोग ग्राफिक्स का सहारा लेने लगे हैं। इसके जरिए चीजों को आसानी से समझा जा सकता है और यही कारण है कि यह कोर्स छात्रों के बीच खासा पसंद किया जाता है।

जीडीजीपी (ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रोग्राम इन डिजाइन)

4 वर्ष का यह कोर्स विजयवाड़ा और कुरुक्षेत्र में उपलब्ध है। इसमें छात्रों का 12वीं पास होना आवश्यक है और उम्मीदवार की आयु 20 से अधिक न होनी चाहिए।

प्रॉडक्ट डिजाइन

प्रॉडक्ट डिजाइन उन वस्तुओं की रचना करना है, जो लोगों के लिए फायदेमंद है। वस्तुए बड़ी व्यवस्था का मुख्य अंश होती है। कोर्स के दौरान प्रोजेक्ट्स का मुख्य केंद्र उपयोगकर्ताओं की जरूरत, उत्पाद और आर्थिक प्रभाव के लिए प्रोडक्ट्स और सर्विसेज पर रहता है।

टेक्सटाइल डिजाइन

टेक्सटाइल डिजाइन के कोर्स के तहत छात्रों के भीतर कपड़ा अथवा टेक्सटाइल की समझ का ज्ञान विकसित किया जाता है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष है।

स्नातकोत्तर डिजाइन (एम.डेस)

किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त छात्र इस कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। 25 वर्ष की अवधि का यह कोर्स अहमदाबाद, बेंगलुरु और गांधीनगर कैंपसो मे उपलब्ध है। इन कोर्सेस मे दाखिला लेने वाले आवेदक की आयु 30 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह कोर्स लगभग 19 विषयों में उपलब्ध है, जो इस प्रकार है-

- ऐनीमेशन फिल्म डिजाइन
- अपैरल डिजाइन
- सिरामिक व ग्लास डिजाइन
- डिजाइन फॉर रिटेल एक्सपीरियंस
- डिजिटल गेम डिजाइन
- फिल्म व वीडियो कम्यूनिकेशन डिजाइन
- फर्नीचर डिजाइन
- ग्राफिक डिजाइन
- इन्फोरमेशन डिजाइन
- इंटरैक्शन डिजाइन
- लाइफस्टाइल ऐक्सेसरी डिजाइन
- न्यू मीडिया डिजाइन
- फोटोग्राफी डिजाइन
- प्रोडक्ट डिजाइन
- स्ट्रैटिजिक डिजाइन प्रबंधन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- टॉय ऐंड गेम डिजाइन
- ट्रांसपोर्टेशन व ऑटोमोबाइल डिजाइन
- यूनिवर्सल डिजाइन

दैनिक महका संसार
mahekasansar.com
विश्वास वही, पहचान नई

बुधवार, 25 नवम्बर 2026
जोधपुर (राज.)

सिरोही जिला प्रमुख चुनाव आज

चुनाव को लेकर प्रशासन अलर्ट, जिला परिषद परिसर में बैरिकेडिंग शुरू

दैनिक महका संसार

रेवदर / सिरोही (शकूर खान रंगरेज)। सिरोही जिला परिषद में जिला प्रमुख और उप जिला प्रमुख के निर्वाचन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 25 नवंबर को जिला प्रमुख और 26 नवंबर को उप जिला प्रमुख का चुनाव होगा। निर्वाचन प्रक्रिया जिला परिषद कार्यालय के डीआरडीए हॉल में संपन्न कराई जाएगी। चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। चुनाव के मद्देनजर जिला परिषद परिसर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। परिसर के मुख्य प्रवेश मार्गों पर बैरिकेडिंग की जा रही है, ताकि निर्वाचन के दौरान अनावश्यक भीड़ और अव्यवस्था को रोका जा सके। मंगलवार को कोतवाली थानाधिकारी कैलाशदान चारण पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बैरिकेडिंग, प्रवेश मार्गों और संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। वहीं, निर्वाचन के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला मजिस्ट्रेट रोहिताश्व सिंह तोमर ने आदेश जारी कर कार्यपालक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। आदेश के अनुसार उपखंड मजिस्ट्रेट सिरोही को कानून एवं शांति व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशासन की ओर से जिला परिषद परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। पुलिस जाब्ता तैनात रहेगा और निर्वाचन प्रक्रिया पर प्रशासन की विशेष निगरानी रहेगी। जिला प्रमुख एवं उप जिला प्रमुख के चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियों के बीच अब सभी की निगाहें निर्वाचन प्रक्रिया पर टिकी हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. आशा प्रजापत जयपुर में सम्मानित, आलेख प्रतियोगिता में हासिल किया द्वितीय स्थान

किशोर कुमार के गीतों में भावनात्मक सौंदर्य विषय पर प्रस्तुत किया शोधपरक आलेख, जोधपुर के प्रजापत समाज का नाम किया रोशन

दैनिक महका संसार

जोधपुर। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. आशा प्रजापत को जयपुर में आयोजित आलेख प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। स्वयं सिद्धा साहित्यिक संस्थान, जयपुर की ओर से स्वर्गीय पद्मनाभ शर्मा एवं स्वर्गीय अविरल शर्मा की स्मृति में आयोजित वर्ष 2026 की इस प्रतियोगिता का विषय 'किशोर कुमार द्वारा गाए गीतों में भावनात्मक सौंदर्य' था। डॉ. आशा प्रजापत ने अपनी साहित्यिक प्रतिभा, शोधपरक दृष्टि और रचनात्मक लेखन के माध्यम से यह उपलब्धि हासिल की। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान की संरक्षक डॉ. (प्रो.) कुसुम शर्मा, संस्थापक अध्यक्ष ज्ञानवती सक्सेना 'ज्ञान' एवं महासचिव डॉ. रेखा गुप्ता के निर्देशन में किया गया। डॉ. आशा प्रजापत वर्तमान में बेंगलुरु स्थित वृंदावन विश्वविद्यालय में हिंदी विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। साहित्य के क्षेत्र में उनकी इस उपलब्धि से जोधपुर के प्रजापत समाज में भी खुशी का माहौल है।





उन्होंने अपनी सफलता से जोधपुर और प्रजापत समाज का नाम राज्य स्तर पर गौरवान्वित किया है। समाज के लोगों ने उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

सिरोही में जिला प्रमुख की कुर्सी पर सियासी हलचल तेज, किसके सिर सजेगा ताज?

संख्या बल, जातीय समीकरण और क्षेत्रीय संतुलन के बीच आज होगा नाम का ऐलान, संयम लोढ़ा की भूमिका पर टिकी निगाहें

दैनिक महका संसार

रेवदर / सिरोही (शकूर खान रंगरेज)। सिरोही जिला परिषद चुनाव में कांग्रेस को मिली जीत के बाद अब जिला प्रमुख पद को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा को सत्ता से बाहर कर बहुमत हासिल करने वाली कांग्रेस के सामने अब जिला परिषद की कमान संभालने के लिए उपयुक्त चेहरे के चयन की चुनौती है। जिला प्रमुख पद के लिए कई दावेदारों के नाम चर्चा में हैं। ऐसे में जिले के राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर किसके सिर जिला प्रमुख का ताज सजेगा? जिला प्रमुख के चयन को लेकर कांग्रेस में राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों पर मंथन जारी है। इस बार केवल राजनीतिक अनुभव और संगठन में सक्रियता ही चयन का आधार नहीं होंगे, बल्कि जातीय समीकरण, समाजों की संख्या, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और निर्वाचित जिला परिषद सदस्यों की राय भी अहम मानी जा रही है। पार्टी नेतृत्व के सामने ऐसा चेहरा चुनने की चुनौती है, जिससे जिले में सामाजिक संतुलन के साथ संगठनात्मक एकजुटता भी बनी रहे।

संख्या बल को मिलेगी प्राथमिकता या छोटे समाज को प्रतिनिधित्व?

जिला प्रमुख पद की दौड़ में जातीय समीकरण सबसे अधिक चर्चा का विषय बने हुए हैं। राजनीतिक हलकों में इस बात को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि कांग्रेस अधिक संख्या वाले समाज के दावेदार को प्राथमिकता देगी या सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए किसी छोटे समाज को नेतृत्व का अवसर मिलेगा। अलग-अलग समाजों से संभावित दावेदारों के नाम सामने आने के साथ ही राजनीतिक चर्चाओं का दौर भी तेज हो गया है। ऐसे में जिला प्रमुख का चयन सामाजिक समीकरणों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



संयम लोढ़ा के रुख पर टिकी निगाहें

जिला प्रमुख के चयन में पूर्व विधायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री के सलाहकार संयम लोढ़ा की भूमिका भी चर्चा में है। जिला परिषद चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद उनके सुझावों को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। जिला प्रमुख पद के लिए किस नाम पर सहमति बनती है, इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और निर्वाचित सदस्यों के बीच होने वाला विचार-विमर्श महत्वपूर्ण रहेगा। हालांकि अंतिम निर्णय कांग्रेस नेतृत्व और सदस्यों की सहमति के आधार पर ही सामने आएगा।

आज होगा जिला प्रमुख के नाम का फैसला

जिला परिषद सिरोही में जिला प्रमुख का निर्वाचन आज निर्धारित है। इसके बाद 26 नवंबर को सुबह 10 बजे जिला परिषद सभागार में उप जिला प्रमुख का चुनाव होगा। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत नामांकन, संवीक्षा, नाम वापसी और आवश्यकता पड़ने पर मतदान कराया जाएगा। चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही दावेदारों की सक्रियता बढ़ गई है। राजनीतिक समीकरणों को साधने और सदस्यों के बीच सहमति बनाने के प्रयास जारी हैं। अब सबकी निगाहें आज होने वाले चुनाव पर टिकी हैं। देखना होगा कि कांग्रेस किस चेहरे को जिला परिषद की कमान सौंपती है।

महाविद्यालय में प्रवेश व शुल्क जमा कराने की तिथियां बढ़ीं, एमए प्रथम सेमेस्टर का संशोधित कार्यक्रम जारी

दैनिक महका संसार

रेवदर (शकूर खान रंगरेज) । राजकीयउपखंड स्थित मातुश्री शांताबा हजारीमलजी के. पी. संघवी राजकीय महाविद्यालय में विभिन्न कक्षाओं के प्रवेश नवीनीकरण, शुल्क जमा कराने तथा स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश को लेकर नई तिथियां घोषित की गई हैं। कार्यवाहक प्राचार्य भंवरलाल ने बताया कि स्नातक तृतीय व पंचम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के नियमित विद्यार्थियों के लिए प्रवेश नवीनीकरण एवं ई-मित्र के माध्यम से फीस जमा करवाने की अंतिम तिथि 23 नवंबर से बढ़ाकर अब 22 दिसंबर कर दी गई है। जो विद्यार्थी किसी कारणवश अभी तक फीस जमा नहीं करवा पाए हैं, वे निर्धारित तिथि से पूर्व अपना प्रवेश नवीनीकरण सुनिश्चित कर सकते हैं।

एमए प्रथम सेमेस्टर प्रवेश का संशोधित कार्यक्रम

महाविद्यालय प्राचार्य मुकेश कुमार मीणा के अनुसार, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातकोत्तर (एम.ए.) पूर्वार्द्ध/प्रथम सेमेस्टर की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। इसके तहत नियमित प्रवेश प्रक्रिया में अभ्यर्थी 28 नवंबर तक मूल प्रमाण-पत्रों की जांच करवाकर ई-मित्र पर शुल्क जमा करवा सकेंगे। प्रवेशित विद्यार्थियों की प्रथम सूची 30 नवंबर को जारी होगी और 1 दिसंबर से शिक्षण कार्य शुरू हो जाएगा। प्रवेश प्रभारी भंवर लाल ने बताया कि श्रेणीवार रिक्त स्थानों के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 नवंबर से 6 दिसंबर तक किए जा सकेंगे। इनकी प्रतीक्षा सूची 8 दिसंबर को प्रकाशित होगी।

चयनित अभ्यर्थी 11 दिसंबर तक मूल दस्तावेजों का सत्यापन और 12 दिसंबर तक ई-मित्र पर फीस जमा करवा सकेंगे, जिसके बाद 14 दिसंबर को प्रवेशित विद्यार्थियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। प्राचार्य ने इच्छुक विद्यार्थियों से निर्धारित समयावधि में प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

केक पर उकेरी राजस्थान की शान, जयपुर की महिमा का नाम विश्व रिकॉर्ड में दर्ज

455 केक-कुकीज़ से बनी भारत की सबसे बड़ी एडिबल आर्ट प्रदर्शनी में किया राजस्थान का प्रतिनिधित्व

दैनिक महका संसार



जयपुर। जयपुर की प्रतिभाशाली केक आर्टिस्ट महिमा सांखला ने विश्व रिकॉर्ड बनाकर राजस्थान का नाम रोशन किया है। 16 नवंबर 2026 को पुणे में आयोजित कार्यक्रम में महिमा ने 36 अन्य कलाकारों के साथ मिलकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस रिकॉर्ड को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन से संबद्धता मिली। आयोजन में 455 केक और कुकीज़ से भारत के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों की संस्कृति, कला और विरासत को दर्शाती दुनिया की सबसे बड़ी एडिबल आर्ट प्रदर्शनी तैयार की गई। इसमें महिमा ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश के ऐतिहासिक किलों, महलों और समृद्ध संस्कृति को केक आर्ट के माध्यम से खूबसूरती से उकेरा। इस उपलब्धि के लिए सभी कलाकारों ने कई महीनों तक मेहनत की। महिमा ने बताया कि वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज होना उनके जीवन का सबसे गर्वपूर्ण क्षण है। यह सम्मान पूरे जयपुर और राजस्थान का है। प्रसिद्ध केक आर्टिस्ट प्राची धवल देव के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में महिमा की कलाकारी को दर्शकों और निर्णायकों ने खूब सराहा। उनकी इस उपलब्धि से जयपुर में खुशी की लहर है। महिमा की सफलता युवाओं, खासकर रचनात्मक क्षेत्र में करियर बनाने वाली बेटियों के लिए प्रेरणा बनी है।

सिरोही जिले की पांचों तहसीलें गंभीर सूखाग्रस्त घोषित, किसानों को मिलेगी राहत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर कृषि आदान-अनुदान और राहत गतिविधियां लेंगी संचालित, विधायक व किसान संगठनों की मांग पर सरकार ने लिया निर्णय

दैनिक महका संसार

रेवदर / सिरोही (शकूर खान रंगरेज)। लंबे समय से सूखे की मार झेल रहे सिरोही जिले के किसानों और पशुपालकों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य सरकार ने जिले की पांच तहसीलों आबूरोड, देलदर, पिंडवाड़ा, रेवदर एवं सिरोही को गंभीर सूखाग्रस्त घोषित किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को प्रदेश में सूखे की स्थिति की समीक्षा के बाद इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। सूखाग्रस्त घोषित होने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में कृषि आदान-अनुदान वितरण सहित विभिन्न राहत गतिविधियां संचालित की जाएंगी। सरकार के इस फैसले से जिले के उन किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो पिछले दो वर्षों से मानसून की बेरुखी और कम बारिश के चलते आर्थिक एवं कृषि संबंधी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। लंबे समय से विधायक, पूर्व विधायक और किसान संगठन जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग उठा रहे थे। अब सरकार के निर्णय के बाद किसानों ने राहत की उम्मीद जताते हुए आभार व्यक्त किया है।

कुओं का जलस्तर रसातल में, खेती करना हुआ मुश्किल

पिछले दो वर्षों से औसत से कम बारिश होने के कारण रेवदर सहित आसपास की तहसीलों में जल संकट गहराता जा रहा है। कुओं का जलस्तर लगातार नीचे जाने से किसानों के सामने खड़ी फसलों को बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। गर्मियों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होने से केवल उन्हीं किसानों के लिए बुवाई करना संभव हो पा रहा है, जिनके कुओं में पर्याप्त पानी है। वहीं, अन्य किसान खेती को लेकर असमंजस और परेशानी में हैं।

पशुपालकों के सामने भी चारा-पानी का संकट

क्षेत्र में खेती के साथ पशुपालन भी ग्रामीण परिवारों की आजीविका का प्रमुख साधन है। बारिश की कमी के चलते खेतों में चारे का उत्पादन प्रभावित हुआ है। ऐसे में पशुपालकों के सामने अपने पशुओं के लिए चारा और पानी जुटाना भी मुश्किल होता जा रहा था। सूखे के हालात को देखते हुए किसानों और पशुपालकों की ओर से लगातार राहत की मांग की जा रही थी। क्षेत्र में लगातार बिगड़ते हालात को लेकर विधायक, पूर्व विधायक और किसान संगठनों ने सरकार का ध्यान आकृष्ट करवाया था। मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर क्षेत्र की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया गया और सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की गई थी। अब सरकार की ओर से जिले की पांचों तहसीलों को गंभीर सूखाग्रस्त घोषित किए जाने के बाद किसानों को कृषि आदान-अनुदान सहित अन्य राहत मिलने का रास्ता खुला है। रेवदर-आबूरोड विधायक मोतीराम कोली ने बताया कि उन्होंने पूर्व में मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर क्षेत्र में सूखे के हालात और किसानों की परेशानियों से अवगत कराया था। साथ ही क्षेत्र को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की थी।

देव दिवाली पर जयपुर में शादियों की धूम, बारातों से गुलजार हुआ शहर

दुल्हा सोहल खान और दुल्हन गुनाज बानो ने किया निकाह

दैनिक महका संसार

जयपुर। देव दिवाली के शुभ अवसर पर जयपुर में शादियों की धूम देखने को मिली। देवउठनी एकादशी से शुरू हुआ विवाह सीजन देव दिवाली पर अपने चरम पर पहुंच गया। शहर के सभी मैरिज गार्डन, होटल, फार्म हाउस और धर्मशालाएं दुल्हन की तरह सजी नजर आईं। हर तरफ बैंड-बाजे की धुन, बारातों की रौनक और आतिशबाजी ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। जानकारी के अनुसार देव दिवाली पर जयपुर जिले में ही हजारों शादियां संपन्न हुईं। पंडितों के अनुसार यह दिन विवाह के लिए सबसे शुभ मुहूर्तों में से एक माना जाता है। यही वजह है कि लोगों ने महीनों पहले से ही इस दिन की बुकिंग कर रखी थी। सांगानेर, मानसरोवर, वैशाली नगर, टोंक रोड, सीकर रोड और जगतपुरा में एक ही रात में सैकड़ों बारातें निकलीं। इसी क्रम में दुल्हा सोहल खान और दुल्हन गुनाज बनो ने भी निकाह किया। कई जगहों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बनी, लेकिन लोगों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। शादियों की धूम का असर जयपुर के बाजारों में भी खूब दिखा। जौहरी बाजार, बापू बाजार, नेहरू बाजार और त्रिपोलिया बाजार में कपड़ों, ज्वेलरी, साड़ी-लहंगा और गिफ्ट आइटम्स की जमकर खरीदारी हुई। ब्यूटी पार्लर, मेहंदी आर्टिस्ट और फोटोग्राफरों के पास भी पैर रखने की जगह नहीं थी। दुकानदारों ने बताया कि शादियों के कारण व्यापार में 3 गुना बढ़ोतरी हुई है। जयपुर की शादियां अपने शाही अंदाज के लिए जानी जाती हैं। कई शादियों में राजस्थानी परंपरा के अनुसार बारात निकाली गई, तो कहीं दूल्हा विंटेज कार में पहुंचा। दुल्हनों ने लाल और मैरून लहंगे में सबका मन मोह लिया। कई जगहों पर घूमर और कालबेलिया नृत्य ने मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया। होटल, कैटरिंग, टेंट और डेकोरेशन का कारोबार भी फुल रहा। दाल-बाटी चूरमा, पनीर की सब्जियां और मिठाइयों की विशेष मांग रही। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए पुलिस ने प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त बल तैनात किया था।



गीतांजली हॉस्पिटल में अत्याधुनिक सेवा का शुभारंभ

दैनिक महका संसार



जयपुर। गीतांजली इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज् एंड हॉस्पिटल, जयपुर के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में अत्याधुनिक एसबीआरटी स्टेटेक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी सेवा का शुभारंभ किया गया। इस तकनीक से पहला सफल उपचार जोधपुर निवासी का किया गया, जो गले के कैंसर से पीड़ित थे। उपचार के बाद उनकी डी 4 कशेरुका (रीढ़) में एकल मेटास्टेसिस पाया गया था। एसबीआरटी की सुविधा के लिए मरीज विशेष रूप से जोधपुर से जयपुर स्थित गीतांजलि हॉस्पिटल पहुंचे। रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. पुनीत कुमार बागड़ी एवं उनकी टीम ने वैरियन ट्रिपर बीएम हाईपर एआरसी और हाइपर साइट तकनीक की सहायता से मरीज को केवल 2 फ्रैक्शन में 24 जी वाय की अत्यंत सटीक रेडियोथेरेपी दी। उपचार सफलतापूर्वक पूरा हुआ और मरीज ने इसे अच्छी तरह सहन किया। डॉ. पुनीत कुमार बागड़ी ने बताया कि एसबीआरटी एक अत्याधुनिक और अत्यंत सटीक रेडियोथेरेपी तकनीक है, जिसमें कैंसरग्रस्त हिस्से पर अधिक मात्रा में विकिरण दिया जाता है, जबकि आसपास के स्वस्थ अंगों को कम से कम नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। इसका उपयोग ब्रेन, रीढ़, फेफड़े, लिवर, प्रोस्टेट और सीमित मेटास्टेटिक कैंसर के उपचार में किया जाता है। कम समय में उपचार पूरा होने और बेहतर स्थानीय नियंत्रण के कारण मरीज जल्द अपनी सामान्य दिनचर्या में लौट सकता है। उन्होंने बताया कि गीतांजली हॉस्पिटल में एसबीआरटी सुविधा शुरू होने से जोधपुर, बीकानेर, कोटा, उदयपुर सहित राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों के मरीजों को उन्नत रेडियोथेरेपी उपचार के लिए राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी। गीतांजली हॉस्पिटल में एसबीआरटी सेवा की शुरुआत राजस्थान में सटीक और आधुनिक कैंसर रेडियोथेरेपी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जैसलमेर जिला प्रमुख की कुर्सी पर फकीर परिवार की पसंद होगी निर्णायक

शाले मोहम्मद और रूपाराम धनदेव के बीच सियासी समीकरणों की चर्चा, स्ज वर्ग के चार कांग्रेस सदस्य दावेदार, पोकरण का पलड़ा भारी

दैनिक महका संसार

पूरण सिंह बेरसियाला/जैसलमेर। पंचायतीराज चुनाव के परिणामों के बाद अब जैसलमेर जिला प्रमुख के चुनाव को लेकर कांग्रेस में सियासी हलचल तेज हो गई है। जिला परिषद की 21 सीटों में से कांग्रेस ने 20 सीटों पर जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है, जबकि भाजपा को महज एक सीट मिली है। जिला प्रमुख का पद अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित होने के कारण कांग्रेस के चार निर्वाचित सदस्य इस दौड़ में शामिल हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिला प्रमुख की कुर्सी पर किसका ताज सजेगा और कांग्रेस के भीतर किस नेता की पसंद को प्राथमिकता मिलेगी? जिला प्रमुख की दौड़ में संतोष कुमारी, रतनाराम, मानाराम और कमलाराम के नाम सामने आ रहे हैं। इनमें संतोष कुमारी वार्ड संख्या 21 खारिया से निर्वाचित हुई हैं, जो पोकरण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। वहीं रतनाराम वार्ड संख्या 9, युवा नेता





मानाराम वार्ड संख्या 4 और कमलाराम वार्ड संख्या 6 से चुनाव जीतकर आए हैं। राजनीतिक चर्चाओं में फिलहाल इन चारों नामों को लेकर अलग-अलग समीकरण बनाए जा रहे हैं।

पोकरण की 11 में से 11 सीटों पर कांग्रेस की जीत

जिला प्रमुख के चुनाव में पूर्व कैबिनेट मंत्री शाले मोहम्मद की भूमिका अहम मानी जा रही है। पोकरण विधानसभा क्षेत्र की 11 जिला परिषद सीटों की जिम्मेदारी शाले मोहम्मद के पास थी और कांग्रेस ने सभी 11 सीटों पर जीत दर्ज की है। इस प्रदर्शन से पोकरण क्षेत्र में शाले मोहम्मद की राजनीतिक पकड़ और मजबूत नजर आ रही है। ऐसे में संतोष कुमारी को उनकी पसंद के संभावित दावेदार के रूप में देखा जा रहा है।

जैसलमेर में रूपाराम धनदेव के सामने चुनौती

दूसरी ओर जैसलमेर विधानसभा क्षेत्र में पूर्व विधायक रूपाराम धनदेव के पास कांग्रेस की ओर से 10 जिला परिषद सीटों की जिम्मेदारी थी। इनमें से 9 सीटों पर कांग्रेस ने जीत हासिल की, जबकि एक सीट भाजपा के खाते में गई। इन 9 विजेता सदस्यों में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमरदीन फकीर की सीट भी शामिल है। अमरदीन फकीर पूर्व कैबिनेट मंत्री शाले मोहम्मद के छोटे भाई हैं। ऐसे में जिला प्रमुख के चुनाव में उनका राजनीतिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जैसलमेर विधानसभा क्षेत्र से स्ज वर्ग के चार सदस्य रतनाराम, मानाराम, संतोष कुमारी और कमलाराम जीतकर आए हैं। इन चारों में से किसी एक नाम पर सहमति बनाना कांग्रेस के लिए चुनौती हो सकती है। वहीं पोकरण क्षेत्र से एक ही प्रमुख नाम संतोष कुमारी का सामने आना शाले मोहम्मद के लिए सियासी बढ़त के रूप में देखा जा रहा है।

आंकड़ों का गणित भी दे रहा अलग संकेत

राजनीतिक समीकरणों की चर्चा में पोकरण क्षेत्र की 11 सीटें और जैसलमेर क्षेत्र की 9 कांग्रेस सीटें महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। जैसलमेर की इन 9 सीटों में अमरदीन फकीर की सीट भी शामिल होने से शाले मोहम्मद का प्रभाव बढ़ता दिखाई दे रहा है। हालांकि वास्तविक समर्थन और अंतिम सहमति जिला प्रमुख के चुनाव के समय ही स्पष्ट होगी।

फकीर परिवार की पसंद पर टिकी निगाहें

जैसलमेर जिला प्रमुख के चुनाव में अब कांग्रेस के भीतर सहमति बनाने की चुनौती है। एक तरफ शाले मोहम्मद का पोकरण क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन है, तो दूसरी तरफ रूपाराम धनदेव के सामने जैसलमेर क्षेत्र के तीन दावेदारों में से किसी एक नाम पर सहमति बनाने का सवाल है। ऐसे में अमरदीन फकीर की भूमिका भी चर्चा के केंद्र में है। कुल मिलाकर जैसलमेर जिला प्रमुख की कुर्सी का फैसला केवल चार दावेदारों की दावेदारी से नहीं, बल्कि कांग्रेस के अंदरूनी शक्ति संतुलन और वरिष्ठ नेताओं की सहमति से तय होगा। जिले की सियासत में अब यह चर्चा तेज है कि इस बार जिला प्रमुख वही बनेगा, जिसे फकीर परिवार की सहमति और समर्थन हासिल होगा।

प्रताप नगर में श्रद्धा से मनाई गई गुरु नानक जयंती

दैनिक महका संसार

जोधपुर। पूज्य सिंधी पंचायत प्रताप नगर के तत्वाधान में गुरु नानक देव जयंती श्रद्धा से मनाई गई महासचिव प्रदीप वरदानी ने जानकारी देते बताया कि चेयरमेन रामचंद्र चांदवानी, अध्यक्ष अशोक मूलचंदानी की देखरेख में जयंती मनाई गई । इस अवसर पर प्रेमप्रकाश मंडल के श्रद्धेय साईं जीतूराम जी ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि हमें गुरु नानक देव जी , भगवान झूलेलाल के बताए गए मार्ग पर चलकर सच्चाई से मानवता की सेवा करनी चाहिए । इस अवसर पर पार्षदों समाजसेवियों , पत्रकारों का सम्मान किया गया । प्रात झंडारोहण कर भजन प्रस्तुत किए गए। तथा आम लंगर प्रसादी का आयोजन किया गया । इस अवसर पर पंचायत के पदाधिकारियों भगवान मुलानी , विजयकुमार चांदवानी , कमलेश लालवानी, सुशील मंगलानी, ओमप्रकाश भेरवानी, प्रीतम दास ममतानी, ठाकुर मंगलानी, हरीश देवनानी गणेश बिजानी ललित फुलवानी चेतन दासानी, प्रीतम दास लालवानी, सुरेंद्र भिमानी ,राजा रोचानी, अण्णू बादलानी रमेश हिंगोरानी बंसी गोकलानी ललित फिथानी प्रकाश पारवानी, संजय टिकयानी नरेंद्र पंजाबी आदि उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, मालिक, प्रकाशक, सम्पादक एंव मुद्रकः इम्तियाज अहमद द्वारा एम एस ऑफसेट प्रिंटर्स, गली न. 2, फिल्टर हाउस के पीछे, कबीर नगर जोधपुर (राज.) से मुद्रित एंव जसवन्त थड़े की घाटी, बत्तासागर, जोधपुर (राज.) से प्रकाशित । मोबाईलः 9799921111 सभी तरह के विवादो का न्याय क्षेत्र जोधपुर होगा